www.tamsasanket.com
वर्ष: 06 || अंक 111 || लखनऊ
मंगलवार
21 जुलाई 2026 || पृष्ठ: 04 || मूल्य: ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक
# तमसा संकेत

डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित

**मौसम**
सूर्योदय: 05:25
सूर्यास्त: 07:00
अधिकतम: 31°:00
न्यूनतम: 27°:00

पेज 07

विशेष समाचार 'योगी की जय कन्हैया व टेंशन ... >> पेज 04 | मथुरा में द्वारिकाधीश मंदिर में चोरी ... >> पेज 06 | सैयारा के लिए वाईआरएफ ने ...

## खड़गे बोले- जंतर-मंतर पर लाठीचार्ज से बच्चों की आवाज दबा रही सरकार

# चढ़ावा चोरी पेपर लीक को लेकर संसद में हंगामा

### मोदी बोले- संसद में तर्क के साथ चर्चा हो

- पीएम मोदी ने कहा- ऐसे में जब ये मानसून सत्र आरंभ हो रहा है, देश ने स्पिरिट पकड़ ली है।
- संसद का सत्र उस स्पिरिट में ऊर्जा भर सकता है। सांसद किसी भी दल के हों, उनके पास लंबा अनुभव है।
- संसद में सार्थक चर्चा होना, मिलजुलकर देश को आगे ले जाने की चर्चा होना आज के वक्त की मांग है।

**राज्यसभा में खड़गे ने कहा- आपने मुझे पेपर लीक और नीट परीक्षा घोटाले पर अपनी बात रखने की अनुमति दी। यह छात्रों के भविष्य से जुड़ा बेहद गंभीर मामला है। लाखों बच्चों का भविष्य दांव पर लगा है। इस मुद्दे को लेकर जंतर-मंतर पर हजारों छात्र जुटे हैं। वहां लाठीचार्ज हुआ है। सरकार बल प्रयोग कर आवाज दबाने और प्रदर्शनकारियों को हटाने की कोशिश कर रही है।**

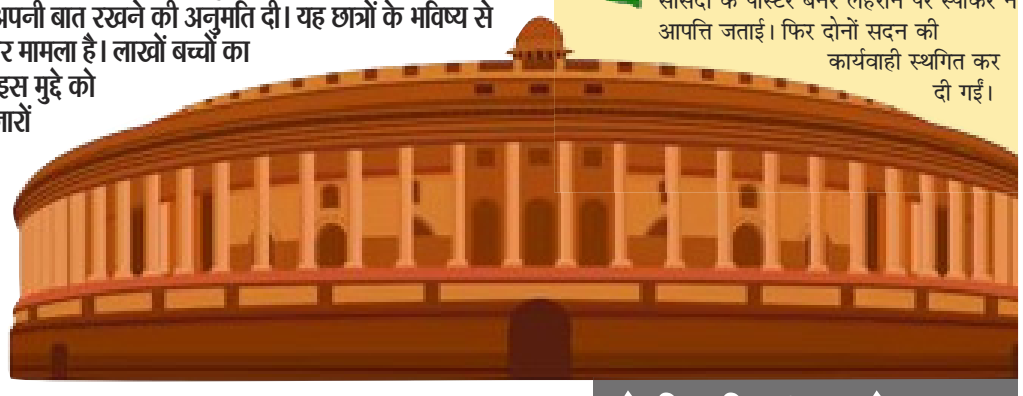



### मानसून सत्र के पहले दिन लोकसभा छठी बार स्थगित

लोकसभा की कार्यवाही 11 बजे शुरू हुई। सदन करीब 7-8 मिनट चला। विपक्ष के हंगामे के चलते स्पीकर ने कार्यवाही 12 बजे तक स्थगित कर दी। इसके बाद चार बार और सदन को स्थगित करना पड़ा। उधर राज्यसभा पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गई है।

लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही दोपहर 2 बजे फिर शुरू हुई। हालांकि विपक्ष पेपर लीक मामले को लेकर हंगामा करने लगा। विपक्षी सांसदों के पोस्टर बैनर लहराने पर स्पीकर ने आपत्ति जताई। फिर दोनों सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी गईं।

- **मानसून सत्र के पहले दिन पीएम मोदी संसद पहुंचे। उन्होंने संसद भवन में मौजूद भाजपा सांसदों किरेन रिजिजू और अर्जुन राम मेघवाल से मुलाकात की।**
- **कांग्रेस सांसद राहुल गांधी भी संसद आए। विपक्ष पूरे सत्र में मोदी सरकार को नीट, राम मंदिर चढ़ावा चोरी जैसी मुद्दों पर घेरने की तैयारी में है।**



तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। मानसून सत्र के पहले दिन विपक्ष के हंगामे के चलते कार्यवाही नहीं चल पाई। लोकसभा और राज्यसभा को छह बार स्थगित करना पड़ा। विपक्षी सांसद नीट पेपर लीक, राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर चर्चा की मांग कर रहे थे। कुछ सांसद पोस्टर-बैनर लेकर सदन के अंदर आए। मल्लिकार्जुन खड़गे ने राज्यसभा में जंतर-मंतर पर हुए कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन पर चर्चा की। खड़गे ने कहा- जंतर-मंतर पर बच्चे इकठ्ठा हुए, उनकी आवाज को दबाया जा रहा। सरकार ने उन पर लाठीचार्ज किया। उधर हंगामे के बीच लोकसभा में कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़ाने वाला बिल पेश किया। दिन में सबसे पहले मोदी ने संसद के हंस द्वार पर मीडिया को 15 मिनट संबोधित किया। पीएम ने कहा- मानसून हो या मानसून सत्र, अगर दोनों प्रो-एक्टिव हों तो बहुत ही प्रोडक्टिव होते हैं।

### सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़ाने वाला बिल ऑर्डिनेंस की जगह लेगा

लोकसभा में सुप्रीम कोर्ट (जजों की संख्या) संशोधन विधेयक पेश, 2026 पेश किया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट में जजों की स्वीकृत संख्या 34 से बढ़ाकर 38 (मुख्य न्यायाधीश सहित) की जाएगी। यह बिल मई में जारी ऑर्डिनेंस की जगह लेगा। ऑर्डिनेंस लागू होने के बाद बढ़ी हुई स्वीकृत संख्या के आधार पर सुप्रीम कोर्ट में 5 नए जज नियुक्त किए जा चुके हैं। इस संशोधन के लिए संविधान में बदलाव की जरूरत नहीं है। इसे पारित करने के लिए संसद में साधारण बहुमत चाहिए।

### लोकसभा में हंगामा, कार्यवाही मंगलवार तक के लिए स्थगित

दोपहर 3 बजे लोकसभा का कार्यवाही फिर से शुरू होते ही विपक्षी सांसदों ने हंगामा किया। सदन की कार्यवाही मंगलवार तक के लिए स्थगित कर दी गई। इसके बजाय छात्रों पर आंसू गैस के गोले छोड़े जा रहे हैं और उनकी पिटाई की जा रही है।

### मोदी की संसद के बाहर स्पीच, 4 बड़ी बातें

- **संसद में सार्थक चर्चा जरूरी:** संसद में सार्थक चर्चा होना, मिलजुलकर देश को आगे ले जाने की चर्चा होना आज के वक्त की मांग है। तर्क-तथ्य के साथ सदन की चर्चा को मजबूत किया जाए, हर आवाज को सम्मान मिले। मैं सभी सांसदों को सदन में चर्चा के लिए निमंत्रण देता हूं।
- **देश में पहली हाइड्रोजन ट्रेन शुरू:** पिछले दिनों राजस्थान में सबसे बड़ी रिफाइनरी देश को समर्पित की गई। कुछ दिन पहले ग्रीन हाइड्रोजन से चलने वाली ट्रेन शुरू की। दुनिया के कुछ देशों में ही ये ट्रेन चल रही है। भारत की ये ट्रेन सबसे ताकतवर और सबसे लंबी है।
- **संकट के बीच भारत मजबूत रहा:** लगातार कहीं न कहीं विपरीत स्थितियां बनती रही हैं। पश्चिम एशिया का युद्ध संकट का कारण रहा। पेट्रोल, डीजल, फर्टिलाइजर्स का संकट आया, लेकिन भारत 7.7% की विकास दर बढ़ने वाला देश रहा।
- **मानसून हो या सत्र, प्रोडक्टिव रहें:** मानसून हो या मानसून सत्र, अगर दोनों प्रो-एक्टिव हों तो बहुत ही प्रोडक्टिव होते हैं। इससे देश का कल्याण होता है। इसलिए हम यही प्रार्थना करते हैं कि मानसून और मानसून सत्र प्रोडक्टिव रहे।

## दिल्ली में बवाल : संसद की तरफ बढ़ी भीड़ पर लाठीचार्ज, आंसू गैस के गोले दागे

### बैरिकेड तोड़कर संसद की ओर बढ़े प्रदर्शनकारी, पुलिस ने रोका

- **आंसू गैस के गोले दागने से प्रदर्शनकारियों में अफरा-तफरी मच गई।**
- **प्रदर्शन के दौरान दिल्ली पुलिस ने लाठीचार्ज किया। इस दौरान कई प्रदर्शनकारियों को चोटें आईं।**

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी



के आंदोलनकारियों को जंतर-मंतर से हटा दिया गया है। पुलिस ने मंच खाली करा लिया है और टेंट भी निकाल दिए हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)

### नड्डा से प्रदर्शनकारियों की 10 मिनट की मुलाकात

*नड्डा के जरिए सरकार की ओर से बातचीत शुरू होना अहम माना जा रहा है, क्योंकि पहली बार सरकार ने आंदोलनकारियों से सीधे संवाद की पहल की है। हालांकि सीजेपी ने स्पष्ट किया है कि जब तक उनकी मांगों पर ठोस निर्णय नहीं होता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।*

## राजनीति मत कीजिए : सुप्रीम कोर्ट

### यूपी सरकार दोबारा एसआईटी बनाए, आईपीएस अफसर लीड करे

**आदेश**

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने दोबारा SIT बनाने का आदेश दिया है। सोमवार दोपहर 3:30 बजे सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस (CJI) सूर्यकांत ने कहा- नए सिरे से SIT बनाई जाए। सीनियर IPS अधिकारी टीम की अगुआई करें, ताकि जांच किसी निर्णायक स्तर तक पहुंचे। स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) ने रविवार देर रात जांच की स्टेटस रिपोर्ट कोर्ट में दाखिल कर दी। रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में सौंपी गई है। इससे पहले 13 जुलाई को सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने यूपी, केंद्र सरकार और श्रीराम

**राममंदिर चढ़ावा चोरी**



जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को नोटिस जारी किया था। कोर्ट ने SIT से स्टेटस रिपोर्ट मांगी थी। दरअसल, चढ़ावा चोरी से जुड़ी चार अलग-अलग याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की गई हैं। इनमें जांच CBI को सौंपने के अलावा मंदिर में दान के प्रबंधन से जुड़े अलग-अलग विषयों की समीक्षा के लिए एक्सपर्ट कमेटी बनाने की मांग की गई है।

>> (शेष पेज 06 पर)

**सीजेआई ने कहा- 'हम केवल सावधान करना चाहते हैं। इस मामले में राजनीति न करें। पहली नजर में यह दंड कानून के तहत अपराध का मामला लगता है। इसकी निष्पक्ष, स्वतंत्र और पूरी ईमानदारी से जांच होनी चाहिए। जांच को उसके तार्किक निष्कर्ष तक पहुंचाया जाना चाहिए। बस हमारी यही बात है।'**

**फास्ट न्यूज**

### थार में सीट बेल्ट बंधी लाश मिली

अमृतसर। अमृतसर में सोमवार सुबह सड़क किनारे खड़ी काले रंग की थार गाड़ी से एक व्यक्ति की लाश बरामद होने से सनसनी फैल गई। यह गाड़ी बीती रात से ही यहां खड़ी थी। जब लोगों को गाड़ी संदिग्ध लगी तो इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने गाड़ी की छानबीन की तो उसमें ड्राइविंग सीट पर व्यक्ति का शव मिला।

### हिमाचल में 4 जगह बादल फटने से अफरा-तफरी

शिमला। हिमाचल प्रदेश के चंबा और लाहौल स्पीति में आज (सोमवार को) दोपहर बाद चार जगह बादल फटने से अफरा-तफरी मच गई। चंबा के उदीन और थांदल क्षेत्रों में बादल फटने के बाद नालों में अचानक बाढ़ आ गई। उदीन नाले अचानक वाटर लेवल बढ़ने से 11 श्रमिक फंस गए। जिन्हें सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया गया। चंबा के ही होली क्षेत्र में फ्लैश फ्लड के बाद कलाह नाले के किनारे काम कर रहे तीन मजदूर फंस गए। स्थानीय लोगों की कड़ी मशक्कत और नाले का वाटर लेवल कम होने के बाद तीनों मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाला। वहीं लाहौल-स्पीति में खांगसर और शूगू गांव के पास बादल फटने से नाले में अचानक बाढ़ आ गई।

### एपी में 17 लाख बेरोजगार, इनमें सबसे ज्यादा ओबीसी

भोपाल। मध्य प्रदेश में 30 जून 2026 तक रोजगार पोर्टल पर पंजीकृत बेरोजगारों की संख्या 17 लाख 71 हजार 132 रह गई है। सरकार का दावा है कि महज 6 महीने में 8 लाख बेरोजगार कम हो गए, जबकि इसी सरकार ने 2025 में 25 लाख 95 हजार बेरोजगार होने की जानकारी दी थी। अचानक 6 महीने में 8 लाख बेरोजगार कम बताने पर सवाल उठ रहे हैं।

## 28 साल के युवा इतिहास रच रहे : मोदी

### राहुल पर तंज, 56 साल के युवा की बात नहीं कर रहा

तमसा संकेत, एजेंसी



नई दिल्ली। पीएम मोदी ने मानसून सत्र के पहले दिन मीडिया ब्रीफिंग में राहुल गांधी की उम्र को लेकर तंज कसा। पीएम भारत के पहले प्राइवेट रॉकेट 'विक्रम-1' को ऑर्बिट में भेजने वाली कंपनी स्काईरूट एयरोस्पेस का जिक्र कर रहे थे। मोदी ने कहा- देश के युवा आज इतिहास रच रहे हैं। नए-नए स्टार्टअप अंतरिक्ष तक पहुंचे हैं। मुझे बताया गया कि स्काईरूट कंपनी की जिस टीम ने यह कारनामा कर दिखाया है। उनकी औसत उम्र 28 साल है। हालांकि मैं किसी 56 साल के युवा की बात नहीं कर रहा। पीएम का इतना कहते ही पीछे खड़े संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू हंसने लगे। पीएम ने राहुल का नाम लिए बिना तंज कसा। दरअसल राहुल की उम्र 56 साल ही है। पीएम मोदी और राहुल गांधी के बीच 56 इंच बनाम 56 साल की टकरार लंबे वक्त से चल रही है। दरअसल 2014 में पीएम ने 56 इंच की छाती की बात कही थी। इस पर राहुल कई बार कह चुके हैं, पीएम की 56 इंच की छाती काम नहीं आई।

## सपा सरकार में कट्टा-बम बनते थे, अब ब्रह्मोस मिसाइल बन रही

# बेटियों को परेशान किया तो जहन्नुम जाओगे : योगी



तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। सीएम योगी ने सोमवार को बाराबंकी में कहा- पहले यूपी में कर्फ्यू था, दंगा था। गांव-गांव में कट्टे, बम बनाए जाते थे। व्यापारी लूटा जाता था, बेटियों की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ किया जाता था। अब प्रदेश में अपराधियों के लिए कोई जगह नहीं है। जो बेटी या व्यापारी की सुरक्षा से खिलवाड़ करेगा, उसकी जगह जेल या जहन्नुम होगी।

>> (शेष पेज 06 पर)

**542 करोड़ से अधिक लागत की 82 विकास परियोजनाओं का आज लोकार्पण व शिलान्यास किया।**

### काशी विश्वनाथ धाम की तर्ज पर लोधेश्वर महादेव कॉरिडोर

उन्होंने कहा– सरकार ने काशी विश्वनाथ धाम की तर्ज पर लोधेश्वर महादेव कॉरिडोर के निर्माण को मंजूरी दी है। कॉरिडोर बनने के बाद बाराबंकी धार्मिक पर्यटन का बड़ा केंद्र बनेगा। अयोध्या, लखनऊ, सीतापुर, रायबरेली, अमेठी, बहराइच, गोंडा सहित कई जिलों के श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। यह विकास केवल निर्माण कार्य नहीं, बल्कि बाराबंकी की पहचान और विरासत को नई ऊंचाई देने का प्रयास है।

**योगी ने कहा- अब लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल बन रही है। डिफेंस कॉरिडोर के जरिए प्रदेश देश की रक्षा उत्पादन व्यवस्था का बड़ा केंद्र बन रहा है। ब्रह्मोस जब एक बार जब दागी जाती है तो पाकिस्तान और उसके आका कांप उठते हैं। बाप-बाप चिल्लाते हैं। ये नए भारत की ताकत है।**

### हमने केडी सिंह बाबू की हवेली को बिकने नहीं दिया

योगी ने कहा कि पहले न तो लोधेश्वर महादेव मंदिर के विकास पर ध्यान दिया गया। न ही महाभारतकालीन पारिजात वृक्ष और केडी सिंह बाबू की विरासत को संरक्षित किया गया।

## अनुमति : बिना किसी जांच के 4 से 60 साल तक के लोग ले सकेंगे डोज, देश में ही बनेगी

# भारत में पहली डेंगू वैक्सीन क्यूडेंगा को मंजूरी

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। भारत में पहली बार डेंगू की वैक्सीन को मंजूरी मिल गई है। ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया (DCGI) ने ताकेदा बायोफार्मास्यूटिकल्स इंडिया की वैक्सीन QDENGA को बाजार में इस्तेमाल की अनुमति दे दी है। कंपनी के मुताबिक, यह वैक्सीन चार से 60 साल तक के लोगों को लगाई जा सकेगी। इसे लगवाने से पहले यह जांच कराने की जरूरत नहीं होगी कि व्यक्ति पहले कभी डेंगू से संक्रमित हुआ था या नहीं। भारत में मिली मंजूरी ताकेदा के वैश्विक क्लीनिकल डेवलपमेंट प्रोग्राम के आधार पर दी गई है। इसके तहत फेज-I, फेज-II और



फेज-III के कुल 19 क्लीनिकल ट्रायल किए गए, जिनमें 28 हजार से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया। QDENGA की दो डोज दी जाती हैं। प्रत्येक डोज 0.5 मिलीलीटर की होती है और त्वचा के नीचे इंजेक्शन के जरिए लगाई जाती है। दोनों डोज के बीच तीन महीने का अंतर रखा जाता है। 'क्यूडेंगा' (TAK-003) असल में जापानी कंपनी 'टाकेडा' की खोज है, लेकिन हमारे लिए सबसे बड़ी राहत की बात यह है कि 'मेक इन इंडिया' के तहत इसका बड़े पैमाने पर उत्पादन देश में ही होगा। इसके लिए टाकेडा ने हैदराबाद की जानी-मानी फार्मा कंपनी 'बायोलॉजिकल ई' के साथ करार किया है।

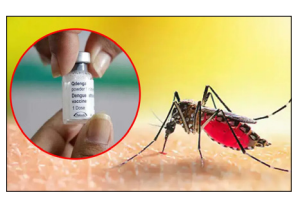

**कंपनी ने यह भी कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) डेंगू प्रभावित क्षेत्रों में क्यूडेंगा के इस्तेमाल की सिफारिश करता है। डब्ल्यूएचओ का समर्थन है कि ज्यादा संक्रमण वाले इलाकों में इसे सार्वजनिक टीकाकरण कार्यक्रम में बिना प्री-वैक्सीनेशन स्क्रीनिंग के शामिल किया जा सकता है।**

### भारत दुनिया में डेंगू से सबसे ज्यादा प्रभावित देशों में शामिल

ताकेदा के मुताबिक, भारत दुनिया में डेंगू से सबसे ज्यादा प्रभावित देशों में शामिल है। देश के कई हिस्सों में डेंगू वायरस के चारों सीरोटाइप एक साथ फैल रहे हैं। कंपनी के मेडिकल अफेयर्स प्रमुख गोह चू बेंग ने कहा कि QDENGA को चारों सीरोटाइप से सुरक्षा देने के लिए तैयार किया गया है।

## यूपी में चेतावनी : 24 जुलाई तक जोरदार बारिश होगी

### उन्नाव के अस्पताल में घुटनों तक पानी भरा

**आफत**

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/वाराणसी/प्रयागराज/कानपुर। यूपी में मानसूनी बारिश से हालात बिगड़ने लगे हैं। सोमवार सुबह से पूरे प्रदेश में बादल छाए हैं। लखनऊ, कानपुर, गोरखपुर, अयोध्या, बरेली समेत 20 शहरों में बारिश हो रही है। लखनऊ में रविवार रात 10.30 बजे से शुरू हुई रिमझिम बारिश सोमवार दोपहर तक जारी है। आज पूरे प्रदेश में बारिश का अलर्ट है। 69 शहरों में भारी बारिश हो सकती है। फिरोजाबाद में इतनी बारिश हुई कि सरकारी अस्पताल में पानी घुस गया। पुलिसवाले हाथ में जूते पकड़कर घुटनों तक पानी में चलते नजर आए। उन्नाव के



सरकारी अस्पताल में घुटनों तक पानी भर गया। शामली में नहर फूट गई। किनारे बनी सड़क 10 फीट धंस गई। नहर का पानी गांवों में घुस गया। कई बीघा खेत जलमग्न हो गए। इधर, पहाड़ों पर हो रही बारिश से यूपी में नदियों का जलस्तर तेजी बढ़ रहा है। वाराणसी-प्रयागराज में घाटों की सीढ़ियां डूब गई हैं। काशी में दशाश्वमेध से लेकर पंचगंगा घाट तक रत्नेश्वर महादेव मंदिर समेत 40 छोटे मंदिरों में पानी भर गया है।

### जनता दर्शन में उप मुख्यमंत्री ने सैकड़ों नागरिकों की सुनी समस्याएं, अधिकारियों को दिए त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश

# जनता की समस्याओं का समाधान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता

**कार्यक्रम**

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को अपने कैंप कार्यालय, 7-कालिदास मार्ग, लखनऊ में आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए नागरिकों से भेंट कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने प्रत्येक फरियादी से आत्मीय संवाद करते हुए उनकी समस्याओं एवं प्रकरणों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की और संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध, निष्पक्ष एवं संतुष्टिपरक समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जनता दर्शन कार्यक्रम में प्रदेश के लगभग दो दर्जन जनपदों से बड़ी संख्या में नागरिक अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। उप मुख्यमंत्री स्वयं लोगों के बीच पहुंचे और एक-एक फरियादी की बात गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुनी।

इस अवसर पर भूमि एवं राजस्व विवाद, अवैध कब्जे, चिकित्सा सहायता, पेंशन, आवास, सड़क, विद्युत, पेयजल, पुलिस प्रशासन, शिक्षा, रोजगार सहित विभिन्न विषयों से संबंधित प्रकरण उप मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुत किए गए। श्री मौर्य ने सभी मामलों का संज्ञान लेते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। श्री मौर्य ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रत्येक शिकायत का निस्तारण केवल औपचारिकता के रूप में नहीं, बल्कि शिकायतकर्ता की संतुष्टि के अनुरूप किया जाए। उन्होंने कहा कि जनसमस्याओं के समाधान में लापरवाही, उदासीनता अथवा अनावश्यक विलंब किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। लापरवाही करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। उन्होंने विशेष रूप से महिलाओं, दिव्यांगजनों, वरिष्ठ नागरिकों एवं जरूरतमंद वर्गों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित करने के निर्देश दिए।

**जनता दर्शन में उप मुख्यमंत्री ने सैकड़ों नागरिकों की सुनी समस्याएं, अधिकारियों को दिए त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश**

## जनता दर्शन सरकार और जनता के बीच विश्वास एवं संवाद का मजबूत माध्यम

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि जनता दर्शन सरकार और जनता के बीच विश्वास एवं संवाद का मजबूत माध्यम है। जनता की समस्याओं को सुनना, उनका समाधान करना और पात्र लोगों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार का संकल्प है कि कोई भी पात्र व्यक्ति जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे और किसी भी पीड़ित नागरिक को न्याय प्राप्त करने के लिए अनावश्यक कठिनाइयों का सामना न करना पड़े।

## विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के तहत 31 जुलाई तक आवेदन आमंत्रित

### 1300 कारीगरों को मिलेगा प्रशिक्षण व निःशुल्क टूलकिट

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । उपायुक्त उद्योग लखनऊ जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र लखनऊ ने बताया है कि प्रदेश के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के बढ़ई, दर्जी, टोकरी बुनकर, नाई, लोहार, सुनार, धोबी, कुम्हार, हलवाई, मोची, राजमिस्त्री ट्रेडो के पारम्परिक कारीगरों की आजीविका के साधनों को सु.ढ़ीकरण करते हुए उनके जीवन स्तर को उन्नत किए जाने के उदेश्य से उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा महत्वाकांक्षी योजना विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना संचालित की गयी है। योजनान्तर्गत पारंपरिक कारीगरों को कौशल वृद्धि हेतु 10 दिवसीय प्रशिक्षण तथा प्रशिक्षण पूर्ण होने के उपरान्त एसेसमेंट के आधार पर आरपीएल सर्टिफिकेट व मानदेय प्रदान किया जाता है तथा योजनान्तर्गत सेवा/व्यवसाय के सफल संचालन हेतु आधुनिकतम तकनीक पर आधारित प्रशिक्षणोपरान्त निःशुल्क उन्नत टूलकिट लाभार्थियों को उपलब्ध करायी जाती है। तत्कम में विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु जनपद के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के प्रशिक्षार्थियों को प्रशिक्षण एवं टूलकिट हेतु जनपद को भौतिक लक्ष्य 1300 आवंटित किया गया है। पोर्टल के माध्यम से प्राप्त पात्र आवेदन पत्रों को गठित समिति के माध्यम से स्कोर कार्ड के आधार पर चयन की पकिया पूर्ण की जायेगी। उन्होंने बताया कि उपरोक्त योजना की विभागीय वेबसाइट www.msme.up.gov.in पर योजनान्तर्गत बढ़ई, हलवाई, टोकरी बुनकर, नाई, लोहार, सुनार, धोबी, कुम्हार, मोची, राजमिस्त्री आदि कुल 11 ट्रेडो में पारंपरिक कारीगरों के ऑनलाइन आवेदन पत्र दिनांक 31.07.2026 तक आमंत्रित किए जा रहे है।

**फास्ट न्यूज**

### पार्किंग सिर्फ नक्शे पर नहीं चलेगी

लखनऊ। लखनऊ में कॉमर्शियल भवनों के बेसमेंट में पार्किंग की जगह दुकान, रेस्टोरेंट और अन्य व्यावसायिक गतिविधियां चलाने पर अब सख्ती होगी। लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) ने नई व्यवस्था लागू करते हुए तय किया है कि अब कॉमर्शियल भवन का नक्शा पास कराने से पहले भवन स्वामी को गारंटी राशि जमा करनी होगी। यह राशि तभी वापस मिलेगी, जब मौके पर निर्धारित मानकों के अनुसार पार्किंग विकसित मिलेगी।

### सोनम वांगचुक के समर्थन में सड़क पर उतरी आप

लखनऊ । लखनऊ में मंगलवार को सोनम वांगचुक के समर्थन में आम आदमी पार्टी (AAP) के कार्यकर्ताओं ने 3:30 बजे प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने कार्यकर्ताओं को रोककर हिरासत में लिया। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच धक्का-मुक्की हुई। कई कार्यकर्ताओं को घसीटते हुए बसों में बैठाकर इको गार्डन भेजा गया। इस दौरान आम आदमी पार्टी के समर्थन में कई वकील भी सड़क पर उतर आए। वकीलों ने पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा कि प्रदर्शनकारी शांतिपूर्ण तरीके से विरोध जता रहे थे।

### पंचायत सहायकों का जोरदार प्रदर्शन

लखनऊ । लखनऊ के इको गार्डन में सोमवार को पंचायत सहायक कल्याण समिति के बैनर तले पंचायत सहायकों ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। लंबे समय से लंबित मांगें पूरी न होने पर नाराजगी जताई। सरकार विरोध स्लोगन लिखीं तख्तियां लेकर नारेबाजी की। पंचायत सहायकों ने कहा कि वे वर्षों से ग्राम पंचायतों में सरकारी योजनाओं को धरातल पर उतारने, दस्तावेजीकरण, डिजिटलीकरण और प्रशासनिक कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

## 6 जनपदों में राष्ट्रनायकों, महापुरूषों की प्रतिमाएं स्थापित

तमसा संकेत, संवाददाता

**राष्ट्र के निर्माण में योगदान देने वाले राष्ट्रनायक एवं महापुरुष सदियों तक समाज को प्रेरणा देते रहेगें-जयवीर सिंह**

लखनऊ । उत्तर प्रदेश संस्कृति विभाग द्वारा प्रदेश के महापुरूषों, नायकों, भारतीय संस्कृति को समृद्ध बनाने वाले साहित्यकारों एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की मूर्तियां स्थापित करायी गयी है। इसमें से सूर्यकुंड अयोध्या में भगवान सूर्य नारायण की 06 फीट खड़ी सैंड स्टोन की मूर्ति, गणेश कुंड अयोध्या में भगवान गणेश की 10 फीट खड़ी सैंड स्टोन की मूर्ति, अयोध्या में महर्षि वाल्मिकी की 06 फीट बैठी हुई कांस्य मूर्ति, कासगंज रेलवे पुल के पास शहीद स्थल एटा में बाबू कल्याण सिंह की 12.5 फीट खड़ी कांस्य मूर्ति तथा महमूदाबाद सीतापुर में महंत अवैद्यनाथ जी की 12.5 फीट खड़ी कांस्य मूर्ति, प्रयागराज में कमला बहुगुणा की 06 फीट कांस्य मूर्ति तथा जनपद फर्रूखाबाद के जहानगंज रोड क्षत्रीयभवन में महाराणा प्रताप जी की 12.5 फीट अश्वारोही मूर्ति स्थापित कर दी गयी है।

यह जानकारी प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि देश के नागरिकों, साहित्यकारों तथा महापुरूषों के योगदान को जीवंत बनाए रखने के लिए उनकी प्रतिमाएं स्थापित करने का कार्य संस्कृति विभाग द्वारा किया जा रहा है। इसी क्रम में अवंतीबाई की 12.5 फीट अश्वारोही कांस्य प्रतिमा, कालों कुआं चौराहा, बांदा में स्थापित किए जाने का निर्णय लिया गया है। इस मूर्ति निर्माण का कार्य प्रगति पर है। इसी प्रकार बाबू कल्याण सिंह की 12.5 फीट खड़ी कांस्य मूर्ति, कासगंज एटा का निर्माण किया जा रहा है।

### एक जनपद एक व्यंजन वित्त पोषण योजना

लखनऊ । उपायुक्त उद्योग जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र लखनऊ अभिजीत गौतम ने बताया है कि उ0प्र0 सरकार द्वारा प्रदेश के विभिन्न जनपदों में विशिष्ट परम्परागत व्यंजनों को राष्ट्रीय / अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान प्रदान करने के उद्देश्य से गुणवत्ता, पैकेजिंग एवं ब्रांडिग कौशल प्रशिक्षण आदि के माध्यम से प्रदेश विभिन्न जनपदों के विशिष्ट परम्परागत व्यंजनो हेतु एक जनपद एक व्यंजन नामक नई योजना संचालित की गयी है। योजनान्तर्गत जनपद लखनऊ हेतु चयनित व्यंजन रेवडी/आम उत्पाद/चाट/ मलाई मक्खन से सम्बन्धित उद्यमों के लिये वित्त पोषण हेतु सहायता योजनान्तर्गत उद्योग, सेवा व्यवसाय से जुड़े समस्त नए एवं विस्तारीकरण से सम्बन्धित उद्यम लाभ प्राप्त कर सकते है। योजना पूर्णतः ऑनलाईन है। वित्त पोषण के इच्छुक व्यक्ति पोर्टल msme.up.gov.in पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते है।

### योगी सरकार में बेटियों की शिक्षा, सुरक्षा और सशक्तिकरण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है

# योगी सरकार में केजीबीवी से क्रिकेट तक उन्नाव की बेटियां रच रही हैं इतिहास

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा बेटियों को दिए जा रहे अवसर उनके जीवन की दिशा बदल रहे हैं, इसका जीवंत उदाहरण सोमवार को राज्य परियोजना कार्यालय, लखनऊ में देखने को मिला। कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, औरास, उन्नाव से पढ़कर निकलीं दो प्रतिभाशाली क्रिकेट खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर अर्चना देवी और उभरती खिलाड़ी निशा वर्मा अपनी शिक्षिका पूनम के साथ राज्य परियोजना कार्यालय पहुंचीं। दोनों ने महानिदेशक स्कूल शिक्षा मोनिका रानी से मुलाकात कर अपने संघर्ष, उपलब्धियों और भविष्य के सपनों को साझा किया। प्रदेश के बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री संदीप सिंह ने कहा कि योगी सरकार में बेटियों की शिक्षा, सुरक्षा और सशक्तिकरण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों के माध्यम से हम वंचित वर्ग की बेटियों को केवल शिक्षा ही नहीं, बल्कि खेल, कौशल और आत्मविश्वास का मंच भी दे रहे हैं।

**अर्चना देवी और निशा वर्मा की कहानी इस बात का प्रमाण है कि सरकारी विद्यालयों से भी अंतरराष्ट्रीय प्रतिभाएं निकल रही हैं। उन्नाव के छोटे से गांव से निकलकर विश्व कप जीतने तक का सफर योगी सरकार की उस सोच को साकार करता है, जिसमें हर बेटी को अवसर मिले।**

इसी विद्यालय की पूर्व छात्रा निशा वर्मा आज उत्तर प्रदेश अंडर-19 महिला क्रिकेट टीम का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं और बीसीसीआई के अंडर-19 महिला घरेलू टूर्नामेंट में प्रदेश के लिए खेल चुकी हैं। उन्नाव के एक छोटे से गांव में जन्मी अर्चना देवी का जीवन संघर्षों से भरा रहा। ग्रामीण परिवेश, बचपन में ही पिता का निधन, आर्थिक चुनौतियां और सामाजिक कठिनाइयों के बावजूद अर्चना ने हार नहीं मानी। वर्ष 2023 में आईसीसी अंडर-19 महिला टी-20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम की सदस्य रहीं अर्चना ने बताया कि उन्हें बचपन में यह भी नहीं पता था कि क्रिकेट क्या होता है। केजीबीवी औरास में प्रवेश मिलने के बाद ही उनकी खेल प्रतिभा को पहचान मिली और यहीं से उनके करियर की शुरुआत हुई।

### दीक्षांत परेड में मंत्री दारा सिंह चौहान बोले- संवेदनशीलता और अनुशासन सबसे बड़ी जिम्मेदारी

# कारागार विभाग को मिले नए डिप्टी जेलर

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। राजधानी के डॉ. संपूर्णानंद कारागार प्रशिक्षण संस्थान में सोमवार को कारागार अधिकारी संवर्ग (123वां सत्र) और जेल वार्डर संवर्ग (179वां सत्र) की पासिंग आउट परेड का आयोजन किया गया। कारागार एवं होमगार्ड राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दारा सिंह चौहान ने परेड का निरीक्षण कर सलामी ली और प्रशिक्षण पूरा करने वाले अधिकारियों व वार्डरों को नई जिम्मेदारियों के लिए शुभकामनाएं दीं। इस दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 31 प्रशिक्षुओं को सम्मानित भी किया गया।

मंत्री दारा सिंह चौहान ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार जेलों को आधुनिक, सुरक्षित और सुधारोन्मुख बनाने की दिशा में लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षित, अनुशासित और संवेदनशील कारागार कर्मी ही प्रभावी कारागार व्यवस्था की आधारशिला हैं। बंदियों के पुनर्वास, नैतिक मूल्यों के विकास और कौशल प्रशिक्षण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि वे समाज की मुख्यधारा से जुड़ सकें।

कार्यक्रम में प्रशिक्षण के दौरान सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले 31 प्रशिक्षुओं को सम्मानित किया गया। अधिकारी संवर्ग में छत्तीसगढ़ के जेल अधीक्षक टामन को सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षार्थी का पुरस्कार मिला, जबकि जेल वार्डर संवर्ग में उत्तर प्रदेश के जिला कारागार बागपत के अतुल यादव को सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षार्थी चुना गया। सभी प्रशिक्षुओं को पद एवं गोपनीयता की शपथ भी दिलाई गई।

### 91 प्रशिक्षुओं ने पूरी की ट्रेनिंग

दीक्षांत परेड में कुल 91 प्रशिक्षुओं ने हिस्सा लिया। इनमें छत्तीसगढ़ के 6 जेल अधीक्षक, 3 सहायक अधीक्षक और उत्तर प्रदेश के 3 डिप्टी जेलर सहित कुल 12 अधिकारी शामिल रहे। इसके अलावा उत्तर प्रदेश के 79 जेल वार्डरों ने भी प्रशिक्षण पूरा किया। प्रशिक्षण के दौरान जेल प्रशासन, सुरक्षा व्यवस्था, मानवाधिकार, बंदी प्रबंधन और आधुनिक तकनीक के उपयोग सहित विभिन्न विषयों की जानकारी दी गई।

## इकाना में लांच हुआ यूपी-टी 20 लीग का ई-टिकट

लखनऊ । लखनऊ के इकाना स्टेडियम में 14 अगस्त को यूपी-टी 20 लीग का आगाज होगा। आज सीएम योगी आदित्यनाथ के सलाहकार अवनीश अवस्थी ने इसके ई- टिकट को लांच किया। 14 अगस्त के उद्घाटन के मौके पर सिंगर जैसमिन सैंडलास और ऋषभ रिखीराम शर्मा की परफॉर्मेंस शाम साढ़े पांच बजे होगी। वहीं, भव्य ड्रोन शो के साथ आतिशबाजी भी होगी। समारोह का संचालन एंकर जतिन सप्रू करेंगे।

ई- टिकट लांचिंग के मौके पर अवनीश अवस्थी ने कहा यूपी-टी-20 लीग सीजन चार के टिकट लांच समारोह में यहां आया हूं। स्टेडियम क्रिकेट का मंदिर है। इकाना और ग्रीन पार्क स्टेडियम में यह कार्यक्रम होने जा रहा है। क्रिकेट तब से खेला जा रहा है। जबसे हम लोग पैदा हुए हैं। तब से खेल रहे हैं। मुझे इस बात की खुशी है कि सीएम कई बार इकाना आए हैं। मुझे उनके साथ में आने का अवसर मिला है। वह बहुत खुश होते हैं।

## हज-2027 के ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ी

### 10 अगस्त तक जमा करनी होगी अग्रिम धनराशि

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। हज कमेटी आफ इण्डिया मुम्बई ने सकुर्लर-3 के माध्यम से अवगत कराया है कि हज-2027 के लिए ऑनलाइन आवेदन करने की अन्तिम तिथि 20 जुलाई, 2026 से बढ़ाकर 24 जुलाई, 2026 कर दी गयी है।

हज-202 हेतु इच्छुक हज आवेदक वेबसाइट https://haj-committee.gov.in पर ऑनलाइन हज आवेदन शीघ्र कर लें। जिन्होंने अपना रजिस्ट्रेशन कर लिया है व ऑनलाइन आवेदन किन्हीं कारणों से पूर्ण नहीं किया है वह भी आवेदन को निर्धारित अवधि में पूर्ण कर लें, अन्यथा वह हज-2027 में आवेदन से वंचित रह जाएंगे। जिनका भारतीय अन्तर्राष्ट्रीय पासपोर्ट अभी प्रापत नहीं हुआ है वह तत्काल सम्बन्धित पासपोर्ट कार्यालय से सम्पर्क कर प्राप्त कर लें, ताकि हज-2027 हेतु आवेदन की अन्तिम तिथि से पूर्व आवेदन पूर्ण हो सके।

यह भी अवगत कराया गया है कि हज यात्रियों के चयन हेतु ऑनलाइन कुर्रा (डिजिटल रैण्डम सेलेक्शन) 30 जुलाई, 2026 को हज हाउस मुम्बई में किया जायेगा। चयनित हज यात्रियों की सूची हज कमेटी आफ इण्डिया की वेबसाइट पर प्रकाशित की जाएगी व एस०एम०एस० के माध्यम से सूचित किया जाएगा। सभी चयनित हज यात्रियों को अग्रिम धनराशि रुप 1,52,300/- दिनांक 10 अगस्त, 2026 तक हज कमेटी आफ इण्डिया के खाते में जमा करनी होगी।

**योजना :** ऊर्जा मंत्री ए के शर्मा ने मधुबन में जिला सहकारी बैंक के नवीन भवन का किया उद्घाटन

### चीनी मिल को आधुनिक और अधिक सक्षम बनाने की दिशा में ठोस पहल

# 'पूर्व सरकारों ने सहकारिता की उपेक्षा की प्रधानमंत्री जी ने दिया नया जीवन'

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए. के. शर्मा ने जिला सहकारी बैंक लिमिटेड, मऊ की मधुबन शाखा के नवीन भवन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सहकारिता केवल एक व्यवस्था नहीं, बल्कि किसानों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने नवीन भवन के निर्माण पर सभी क्षेत्रवासियों, बैंक प्रबंधन और सहकारी समिति के सदस्यों को बधाई देते हुए कहा कि यदि पिछले 70 वर्षों में शासन करने वालों ने सहकारी बैंकों और समितियों की चिंता की होती, तो ऐसे आधुनिक भवन बहुत पहले बन चुके होते।

**पूर्व सरकारों ने सहकारिता की उपेक्षा की,प्रधानमंत्री जी ने दिया नया जीवन**

- **सहकारिता से समृद्धि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का विजन, किसानों की खुशहाली उसका लक्ष्यःमंत्री ए के शर्मा**
- **किसानों को सस्ता ऋण, बीज और खाद उपलब्ध कराने में सहकारी संस्थाओं की अहम भूमिका : ए. के. शर्मा**
- **घोसी चीनी मिल को आधुनिक स्वरूप देने की तैयारी, तात्कालिक और दीर्घकालिक योजना पर तेजी से कार्य : ए. के. शर्मा**
- **किसानों को वितरित किए किसान क्रेडिट कार्ड, वैज्ञानिक हिमांशु वर्मा को भी किया सम्मानित**

अपने संबोधन में मंत्री श्री शर्मा ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों ने सहकारिता क्षेत्र की लगातार उपेक्षा की, जबकि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने देश में पहली बार सहकारिता मंत्रालय का गठन कर इसहकारिता से समृद्धि का संकल्प दिया। इसी सोच का परिणाम है कि आज सहकारी संस्थाओं के माध्यम से किसानों को कम ब्याज दर पर ऋण, गुणवत्तापूर्ण बीज, खाद तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि सामूहिकता और सहयोग की भावना से बड़े से बड़ा लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है ।

### 5 से 6 करोड़ रुपए की व्यवस्था किए जाने की दिशा में प्रयास

मंत्री शर्मा ने सहकारी घोसी चीनी मिल के संबंध में कहा कि सरकार इस विषय पर तात्कालिक और दीर्घकालिक, दोनों स्तरों पर कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि आगामी पेराई सत्र को निर्बाध रूप से संचालित रखने के लिए लगभग 5 से 6 करोड़ रुपए की व्यवस्था किए जाने की दिशा में प्रयास हो रहे हैं। वहीं दीर्घकालिक योजना के तहत केंद्रीय सहकारिता मंत्रालय से समन्वय स्थापित किया गया है,ताकि घोसी चीनी मिल को अत्याधुनिक तकनीक से सुसज्जित कर प्रदेश ही नहीं, बल्कि देश की अग्रणी आधुनिक चीनी मिलों में विकसित किया जा सके।

# 'प्लांट से सड़क तक हर व्यवस्था होगी दुरुस्त'

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए. के. शर्मा ने आगामी पेराई सत्र के दृष्टिगत घोसी सहकारी चीनी मिल का निरीक्षण कर तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मिल परिसर का भ्रमण कर विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा अधिकारियों को समयबद्ध ढंग से सभी तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए, ताकि आगामी पेराई सत्र सुचारु एवं प्रभावी ढंग से संचालित हो सके। निरीक्षण के दौरान मंत्री श्री शर्मा ने चीनी मिल के प्लांट, मशीनरी, मैनपॉवर, संविदाकर्मियों की उपलब्धता, आंतरिक सड़कों तथा अन्य आधारभूत सुविधाओं की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों से प्रत्येक बिंदु की जानकारी प्राप्त करते हुए कहा कि मिल के संचालन में किसी भी प्रकार की कमी नहीं रहनी चाहिए और किसानों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता है।

मंत्री श्री शर्मा ने चीनी मिल के महाप्रबंधक (जीएम) को निर्देशित किया कि मिल के आधुनिकीकरण, आवश्यक मरम्मत, मशीनों के उन्नयन, मानव संसाधन की आवश्यकता, संविदाकर्मियों की व्यवस्था तथा आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण से संबंधित विस्तृत एवं व्यवहारिक प्रस्ताव शीघ्र तैयार कर शासन को उपलब्ध कराया जाए, ताकि आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया जा सके।उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य सहकारी चीनी मिलों को अधिक सक्षम, आधुनिक और तकनीक आधारित बनाना है, जिससे पेराई क्षमता में वृद्धि हो, संचालन अधिक प्रभावी बने तथा किसानों को समय पर उनकी उपज का लाभ मिल सके।

# मकान ढहा, पिता और 4 बच्चों की मौत

## कच्चा मकान ढहने से पिता समेत 5 की मौत, दो बेटियां घायल

हादसा

तमसा संकेत,एजेंसी

मुजफ्फरनगर। मुजफ्फरनगर में रविवार रात बारिश के बीच कच्चा मकान भरभराकर ढह गया। हादसे में एक ही परिवार के 5 लोगों की मलबे में दबकर मौत हो गई। इनमें 60 साल के पिता और उनके चार बच्चे शामिल हैं। दो बेटियां घायल हैं। हादसा रात करीब 9 बजे हुआ। घटना के बाद पूरे गांव में चीख-पुकार मच गई। बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर जुट गए। पुलिस ने JCB बुलवाकर मलबा हटवाया। मलबे में दबे लोगों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने 5 लोगों को मृत घोषित कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कई दिनों से हो रही बारिश के कारण कच्चे मकान की दीवारें कमजोर हो गई थीं, जिस कारण पूरा मकान ढह गया। डीएम और एसएसपी समेत अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। सीएम योगी ने अफसरों को राहत-बचाव में कोताही न बरतने के निर्देश दिए। मामला जिला मुख्यालय से 45 किमी दूर फुगाना थाना क्षेत्र के हबीबपुर गांव का है। हबीबपुर गांव निवासी इस्लामुद्दीन (60 साल) मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनका मकान मिट्टी के गारे और ईंटों से बना था, जबकि छत कच्ची थी। रविवार रात 9 बजे इस्लामुद्दीन घर में आराम कर रहे थे। पास ही बेटियां रुखसार (10 साल), रुकईया (8 साल), समईया (7 साल), अलसीबा (4 साल) और बेटे अहद (5 साल) व जीशान (1 साल) खेल रहे थे। पत्नी और 2 बच्चे घर के बाहर थे। इसी बीच अचानक मकान की कच्ची छत भरभराकर ढह गई। सभी मलबे के नीचे दब गए।

### प्रत्यक्षदर्शी बोला- बारिश के कारण हुआ हादसा

प्रत्यक्षदर्शी अरुण सैनी ने बताया- लगातार हो रही बारिश के कारण यह हादसा हुआ। जब मकान गिरा, हम अपने घर के बाहर ही खड़े थे। तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। मलबा हटाकर लोगों को बाहर निकाला। तब तक पुलिस और प्रशासन की टीम भी पहुंच गई थी। उन्होंने कहा- हादसे में परिवार के मुखिया इस्लामुद्दीन की मौत हो गई। प्रशासन को ऐसे जर्जर और कच्चे मकानों की पहचान कर उन्हें पक्का बनवाने की व्यवस्था करनी चाहिए। गरीब परिवारों की मदद की जानी चाहिए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके। इस इलाके में बारिश के दौरान घुटनों तक पानी भर जाता है। जिससे लोगों का घर से निकलना भी मुश्किल हो जाता है।

**एसएसपी संजीव कुमार वर्मा ने बताया- हबीबपुर गांव में एक मकान गिर गया। इस मकान में एक ही परिवार के 10 लोग रहते थे। घटना के समय 3 लोग बाहर खड़े थे। 7 लोग मकान के अंदर थे, जो गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्हें इलाज के लिए सीएचसी बुढ़ाना ले जाया गया। वहां इलाज के दौरान 5 लोगों की मौत हो गई।**

## आप ने जौहर यूनिवर्सिटी मुद्दे पर उठाई मांग

संभल। संभल में आम आदमी पार्टी (आप) ने सोमवार को 3 बजे शिक्षाविद सोनम वांगचुक के समर्थन और रामपुर स्थित मौलाना अली जौहर विश्वविद्यालय पर हो रही कार्रवाई के विरोध में पैदल मार्च निकाला। यह मार्च बदायूं दरवाजा से चौधरी सराय तक निकाला गया, जिसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने भाग लिया। पार्टी के उत्तर प्रदेश प्रदेश प्रवक्ता आतिर हुसैन के नेतृत्व में यह मार्च दोपहर 2 बजे शुरू हुआ। मार्च के दौरान, आतिर हुसैन ने कहा कि देश के करोड़ों युवाओं का भविष्य पेपर लीक, बढ़ती बेरोजगारी और शिक्षा व्यवस्था की उपेक्षा के कारण प्रभावित हो रहा है। उन्होंने शिक्षाविद सोनम वांगचुक के 21 दिवसीय शांतिपूर्ण अनशन का जिक्र किया, जो छात्रों के अधिकारों और शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर किया गया था। हुसैन ने आरोप लगाया कि सरकार ने उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार नहीं किया और संवाद स्थापित करने के बजाय उन्हें अस्पताल ले जाया गया।

# डंपर की टक्कर से कंटेनर चालक की मौत

## भाई की तहरीर पर डंपर चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज

तमसा संकेत,एजेंसी

हरदोई। हरदोई के मल्लावां कोतवाली क्षेत्र में बिलग्राम-कन्नौज मार्ग पर हुए सड़क हादसे में एक कंटेनर चालक की मौत हो गई। ग्राम जरेरा के पास एक तेज रफ्तार डंपर ने कंटेनर को टक्कर मार दी थी। मृतक के भाई की शिकायत पर पुलिस ने डंपर चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने का मामला दर्ज किया है।

पुलिस को दी गई तहरीर के अनुसार, मृतक की पहचान एटा जनपद के थाना बागवाला क्षेत्र के ग्राम भागपुर निवासी अवधेश कुमार (27) के रूप में हुई है। वह कंटेनर का चालक था। अवधेश काशीपुर से कंटेनर लेकर कानपुर जा रहा था।

सोमवार तड़के करीब 3:20 बजे, जब अवधेश मल्लावां थाना क्षेत्र के ग्राम जरेरा के पास बिलग्राम-कन्नौज मार्ग पर पहुंचा, तभी कन्नौज की ओर से आ रहे डंपर ने उसके कंटेनर में

जोरदार टक्कर मार दी टक्कर इतनी भीषण थी कि अवधेश कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों की सूचना पर उसे एंबुलेंस से जिला अस्पताल कन्नौज ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन अस्पताल पहुंचे। मृतक के बड़े भाई हरीशचंद्र ने आरोप लगाया है कि यह दुर्घटना डंपर चालक की तेज रफ्तार और लापरवाही के कारण हुई। उन्होंने मल्लावां कोतवाली में तहरीर देकर संबंधित चालक के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की।

**फास्ट न्यूज**

### रंजिश में तलवार और चापड़ से हमला

उन्नाव। गंगाघाट थाना पुलिस ने हत्या के प्रयास के मामले में फरार चल रहे चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त तीन तलवारें भी बरामद की हैं। सभी आरोपियों को सोमवार को न्यायालय में पेश कर आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है। यह मामला थाना गंगाघाट क्षेत्र के ग्राम रजवाखेड़ा का है। रविवार रात पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों के बीच हिंसक विवाद हो गया था।

### सड़क चौड़ीकरण से पहले लोगों ने खुद हटाया अतिक्रमण

उन्नाव। उन्नाव में पोनी रोड चौड़ीकरण परियोजना को लेकर पीडब्ल्यूडी का अतिक्रमण हटाओ अभियान अब गति पकड़ रहा है। शनिवार को अभियान शुरू होने के बाद जहां कुछ स्थानों पर नापजोख को लेकर विरोध हुआ था, वहीं अब अधिकांश प्रभावित परिवारों ने नुकसान कम करने के लिए स्वयं ही अपने अतिक्रमण हटाने शुरू कर दिए हैं। सोमवार को कई लोगों ने अपने मकानों के चबूतरे, सीढ़ियां, छज्जे और अन्य निर्माण खुद तोड़ दिए। पीडब्ल्यूडी की टीम ने बिंदानगर से पोनी रोड झंडा चौराहा तक सड़क चौड़ीकरण के दायरे में आने वाले निर्माणों पर निशान लगाए थे।

### पुलिस ने किया बहू-बेटी सम्मेलन

उन्नाव। उन्नाव के गंगाघाट क्षेत्र में पुलिस विभाग ने सोमवार को बहू-बेटी सम्मेलन एवं चौपाल का आयोजन किया। जाजमऊ चौकी अंतर्गत ग्राम रजवा खेड़ा स्थित प्राथमिक विद्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान तथा परिवारों में आपसी प्रेम, विश्वास और सौहार्द को बढ़ावा देना था। इसमें बड़ी संख्या में सास, बहू, ननद, भाभी, माताएं, बेटियां, छात्राएं और ग्रामीण उत्साहपूर्वक शामिल हुए।

# डाकघर में आरडी खाता बंद कराने गए कस्टमर से बदसलूकी

## सुलतानपुर में डाक अधीक्षक से शिकायत, कार्रवाई की मांग

तमसा संकेत,एजेंसी

सुलतानपुर। सुलतानपुर डाकघर में RD खातों का समय से पूर्व भुगतान लेने पहुंचे एक उपभोक्ता के साथ बदसलूकी का मामला सामने आया है। जिसका एक वीडियो भी सोमवार 2 बजे सोशल मीडिया पर सामने आया है। पीड़ित ने इस संबंध में डाक अधीक्षक, सुलतानपुर को शिकायत पत्र सौंपकर आरोपी कर्मचारी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के अनुसार, पखलौली गांव, सुलतानपुर निवासी सुरेश कुमार के डाकघर में कुल 10 आवर्ती जमा (RD) खाते चल रहे हैं। सुरेश कुमार अपनी आवश्यकता के चलते, 20 जुलाई सोमवार को इन खातों का समय से पूर्व भुगतान लेने के लिए भुगतान फॉर्म भरकर काउंटर सहायक पवन कुमार के पास पहुंचे थे।

**प्रधान डाकघर में कस्टमर से बदसलूकी करता डाक कर्मी।**

पीड़ित का आरोप है कि जब उन्होंने सहायक से खातों के भुगतान की प्रक्रिया पूरी करने का अनुरोध किया तो पवन कुमार ने उनसे अभद्र व्यवहार किया।

**"उपभोक्ता के अनुसार, काउंटर सहायक ने उन्हें डांट-डपट कर भगा दिया और कहा, मेरे पास समय नहीं है। इस रवैये से आहत होकर सुरेश कुमार ने डाक अधीक्षक सुलतानपुर को शिकायत पत्र दिया है। पत्र में पीड़ित ने अपनी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए आरडी खातों का शीघ्र भुगतान कराने और उपभोक्ता के साथ अभद्रता करने वाले संबंधित कर्मचारी के खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग की है।**

## नीट परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर छात्रों का सम्मान

सुलतानपुर। सुल्तानपुर के सरस्वती विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, ज्ञान कुंज, विवेकानंद नगर के नौ छात्रों ने नीट परीक्षा में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। विद्यालय के प्रधानाचार्य राकेश मणि त्रिपाठी ने इन छात्रों को वंदना सभा में सोमवार 1 बजे सम्मानित किया। उन्हें मिष्ठान खिलाकर और माल्यार्पण कर उनकी उपलब्धि का जश्न मनाया गया।

नीट परीक्षा में सफल हुए इन छात्रों ने वंदना सभा में उपस्थित अन्य विद्यार्थियों के साथ अपनी तैयारी के अनुभव साझा किए। पूर्णांक 720 में से सौम्या सिंह ने 594 अंक और आस्था सिंह ने 593 अंक प्राप्त किए। भैया अनुज साहू ने 636, अमन जायसवाल ने 613, आदर्श यादव ने 597, सूर्यांश पाण्डेय ने 593, उर्जित मिश्र ने 579, द्रव्यांश मौर्य ने 573 और सुब्रत ने 567 अंक प्राप्त किए।

# सांप के डसने के बाद झाड़-फूंक में गंवाए चार घंटे

## बाराबंकी में युवक की हालत गंभीर, जिला अस्पताल रेफर

तमसा संकेत,एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी जिले के देवा क्षेत्र में अंधविश्वास के चलते एक युवक की जान खतरे में पड़ गई। बसारा गांव के 29 वर्षीय प्रवेश कुमार को सोमवार सुबह करीब छह बजे घर में सोते समय एक विषैले सांप ने डस लिया। सांप के काटने के बाद परिजन उसे तुरंत अस्पताल ले जाने के बजाय दशरथपुर गांव में एक झाड़-फूंक करने वाले व्यक्ति के पास ले गए। वहां करीब एक घंटे तक उसे रोका गया और कुछ दवा पिलाई गई। प्रवेश कुमार के अनुसार, झाड़-फूंक से कोई लाभ नहीं हुआ। समय बीतने के साथ उसकी तबीयत लगातार बिगड़ती गई और उसे आंखों से धुंधला

दिखाई देने लगा। करीब चार घंटे की देरी के बाद परिजन उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) देवा लेकर पहुंचे। सीएचसी देवा में ड्यूटी पर तैनात डॉ. अनुज चौधरी ने बताया कि युवक में सर्पदंश के स्पष्ट लक्षण थे। उसे तत्काल स्नेक वेनम एंटीसीरम (एएसवी) के 10 इंजेक्शन दिए गए। हालांकि, हालत गंभीर होने के कारण प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। सीएचसी अधीक्षक डॉ. संजीव कुमार ने लोगों से अपील की है। उन्होंने कहा कि सांप काटने की स्थिति में झाड़-फूंक या घरेलू उपचार पर भरोसा करके समय बर्बाद न करें।

ऐसे मामलों में मरीज को तुरंत नजदीकी सरकारी अस्पताल पहुंचाना चाहिए, जहां समय पर एंटी स्नेक वेनम और आवश्यक चिकित्सा उपलब्ध होती है। डॉ. कुमार ने जोर दिया कि समय पर इलाज मिलने से सर्पदंश के अधिकांश मरीजों की जान बचाई जा सकती है।

# आधीरात फोन पर घर से निकले युवक का शव मिला

## संदिग्ध परिस्थितियों में पड़ा मिला, परिवार का इकलौता कमाने वाला था

तमसा संकेत,एजेंसी

हरदोई। हरदोई में मझिला थाना क्षेत्र के टुर्मुकी गांव के पास सोमवार की सुबह एक 26 वर्षीय युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में पड़ा मिला। इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। एएसपी (शाहाबाद सर्किल) आलोक राज नारायण ने परिजनों और ग्रामीणों से घटना के विषय में जानकारी ली। फॉरेंसिक टीम ने मौके से नमूने जुटाए। मृतक की पहचान मझिला थाना क्षेत्र के दौलतपुर गांव निवासी तहजीब उर्फ बबलू (26) पुत्र स्वर्गीय मुजीब के रूप में हुई है। बब्लू गांव में आटा-चावल की पिसाई और कुटाई की चक्की चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। वह तीन भाइयों में सबसे बड़ा और अविवाहित था। कुछ समय पहले पिता के निधन के बाद पूरे परिवार की जिम्मेदारी उसी के कंधों पर थी। मृतक के चाचा ने बताया कि रविवार की आधी रात करीब 12 बजे तक बबलू घर पर ही था। इसी दौरान उसके मोबाइल फोन पर किसी अज्ञात व्यक्ति का कॉल आया। कॉल के बाद वह चुपचाप घर से बाहर निकल गया। काफी देर तक वापस न लौटने पर चिंतित परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। सोमवार तड़के करीब 4 बजे राहगीरों ने टुमुर्की गांव के पास एक युवक का शव पड़ा होने की सूचना दी। खबर मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे। पर परिजनों ने शव की पहचान तहजीब के रूप में की। उन्होंने तुरंत डायल 112 और मझिला थाना पुलिस को घटना की जानकारी दी। परिवार के इकलौते कमाने वाले सदस्य की इस असमय मौत से मां और भाइयों का बुरा हाल है। घटना की गंभीरता को देखते हुए अपर पुलिस अधीक्षक (सर्किल शाहाबाद) और मझिला थाना प्रभारी वीर बहादुर सिंह पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे।

# सुल्तानपुर में 477 जोड़ों की शादी हुई

## विधायक राजेश गौतम ने दिया आशीर्वाद, 6 निकाह भी कराए गए

तमसा संकेत,एजेंसी

सुल्तानपुर। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत सोमवार को सुल्तानपुर में 477 जोड़ों का विवाह विधि-विधान और सामाजिक रीति-रिवाजों के साथ संपन्न कराया गया। समारोह में नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देने के लिए जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति रही। कादीपुर विधायक राजेश गौतम ने कार्यक्रम में शामिल होकर नवदंपत्तियों को सुखद वैवाहिक जीवन की शुभकामनाएं दीं और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी साझा की। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत प्रत्येक नवविवाहित वधू के बैंक खाते में सीधे 64,000 की आर्थिक सहायता भेजी जा रही है। इसके अलावा नवदंपत्तियों को लगभग 21,000 मूल्य की गृहस्थी का आवश्यक सामान भी उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे वे अपने नए जीवन की शुरुआत आसानी से कर सकें। समाज कल्याण विभाग के अनुसार सामूहिक विवाह समारोह दो दिनों तक आयोजित किया गया।

### लक्ष्य बढ़ाने का भेजा गया प्रस्ताव

समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों ने बताया कि सुल्तानपुर जिले के लिए इस वर्ष मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत 854 जोड़ों का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। हालांकि, भौतिक सत्यापन के दौरान पात्र लाभार्थियों की संख्या लक्ष्य से अधिक पाई गई। इसे देखते हुए जिलाधिकारी ने लक्ष्य बढ़ाकर 1,074 करने का प्रस्ताव शासन को भेजा है, ताकि सभी पात्र जोड़ों को योजना का लाभ मिल सके।

**कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक राजेश गौतम ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रदेश के प्रत्येक परिवार और विशेष रूप से बेटियों के हितों को ध्यान में रखते हुए कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों के विवाह में सहयोग देकर उन्हें सम्मानजनक जीवन की शुरुआत का अवसर प्रदान कर रही है।**

### कादीपुर और लंभुआ के सबसे अधिक जोड़े हुए शामिल

विधायक राजेश गौतम ने बताया कि सामूहिक विवाह समारोह में जिले के विभिन्न विकासखंडों से पात्र जोड़ों ने भाग लिया। कुल 477 नवविवाहित जोड़ों में कादीपुर विधानसभा क्षेत्र के चारों ब्लॉकों से 163 जोड़े, लंभुआ क्षेत्र से 153 जोड़े तथा 6 जोड़े अल्पसंख्यक समुदाय के शामिल रहे। कार्यक्रम का आयोजन प्रशासन और समाज कल्याण विभाग की देखरेख में किया गया। उन्होंने बताया कि योजना का लाभ केवल उन्हीं लाभार्थियों को दिया गया, जिनका समाज कल्याण विभाग द्वारा ऑनलाइन पंजीकरण और सत्यापन किया गया था। पात्रता की सभी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद ही जोड़ों को इस योजना में शामिल किया गया।

**समस्या : उन्नाव में बांगरमऊ ग्राम न्यायालय परिसर में बढ़ी समस्या, संक्रमण का खतरा बढ़ा**

# जलभराव और गंदगी से परेशान लोगों का नगर पालिका में प्रदर्शन

तमसा संकेत,एजेंसी

**प्रदर्शन कर रहे लोगों ने आरोप लगाया कि उन्होंने जलभराव और सफाई व्यवस्था को लेकर कई बार नगर पालिका अधिकारियों से शिकायत की, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। अधिकारियों की उदासीनता के कारण समस्या लगातार बढ़ती जा रही है। आक्रोशित लोगों ने नगर पालिका कार्यालय में नारेबाजी करते हुए चेतावनी दी कि यदि जल्द ही जल निकासी और सफाई का कार्य शुरू नहीं किया गया तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा।**

उन्नाव। लगातार हो रही बारिश ने उन्नाव शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में जलभराव की समस्या को गंभीर बना दिया है। कई मोहल्लों और सार्वजनिक परिसरों में पानी भर जाने से लोगों का जनजीवन प्रभावित हो गया है। सोमवार को नगर पालिका परिषद उन्नाव के वार्ड-15 पहली खेड़ा के दर्जनों निवासी जलभराव, गंदगी और बदहाल सफाई व्यवस्था से नाराज होकर नगर पालिका कार्यालय पहुंच गए। यहां उन्होंने अधिकारियों के खिलाफ नारेबाजी करते हुए तत्काल समस्या के समाधान की मांग की। वहीं दूसरी ओर बांगरमऊ स्थित ग्राम न्यायालय परिसर में भी जलभराव के कारण अधिवक्ताओं, वादकारियों और आम लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। नगर पालिका परिषद के वार्ड-15 पहली खेड़ा के निवासियों का आरोप है कि उनके क्षेत्र में लंबे समय से नालियों की नियमित सफाई नहीं कराई गई है।

### ईओ ने दिया जल्द समाधान का भरोसा

*प्रदर्शन की सूचना मिलने पर नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी (ईओ) ने लोगों से बातचीत की और उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने आश्वासन दिया कि संबंधित क्षेत्र का जल्द निरीक्षण कराया जाएगा और जल निकासी, नालियों की सफाई तथा गंदगी हटाने का कार्य प्राथमिकता के आधार पर कराया जाएगा।*

*ईओ ने कहा कि बरसात के दौरान जलभराव की समस्या से निपटने के लिए नगर पालिका लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने स्थानीय लोगों से भी सफाई व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की।*

### बांगरमऊ ग्राम न्यायालय परिसर में भी जलभराव

उधर, बांगरमऊ स्थित ग्राम न्यायालय परिसर में भी बारिश के बाद हालात चिंताजनक बने हुए हैं। न्यायालय परिसर के कई हिस्सों में पानी भर जाने से अधिवक्ताओं, वादकारियों और न्यायिक कार्य से आने वाले लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। परिसर में जमा गंदे पानी के बीच होकर लोगों को अदालत तक पहुंचना पड़ रहा है। इससे फिसलकर चोट लगने का खतरा भी बना हुआ है।

# आप कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन

## सोनम वांगचुक का समर्थन किया, युवा मुद्दों पर कार्रवाई की मांग

- प्रदर्शन के दौरान हुई पुलिस कार्रवाई की निष्पक्ष जांच की मांग की।
- आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने ज्ञापन दिया।

तमसा संकेत,एजेंसी

जन्नाव। आम आदमी पार्टी के जिला संगठन ने सोमवार को राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। यह ज्ञापन जंतर-मंतर पर आंदोलन कर रहे शिक्षाविद् सोनम वांगचुक के समर्थन में दिया गया। पार्टी कार्यकर्ताओं ने युवाओं से जुड़े मुद्दों, पेपर लीक की घटनाओं और प्रदर्शन के दौरान हुई पुलिस कार्रवाई की निष्पक्ष जांच और आवश्यक कदम उठाने की मांग की। पार्टी के जिलाध्यक्ष कुलदीप यादव के नेतृत्व में दिए गए ज्ञापन में कहा गया कि जंतर-मंतर पर चल रहे आंदोलन के दौरान हुई घटनाओं ने युवाओं में चिंता पैदा की है। ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि सोनम वांगचुक युवाओं के भविष्य, शिक्षा व्यवस्था और रोजगार जैसे मुद्दों को लेकर आंदोलन कर रहे थे। आप ने आरोप लगाया कि प्रदर्शन के दौरान पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप नहीं थी और इन घटनाओं की उच्चस्तरीय जांच की मांग की गई। ज्ञापन में यह भी कहा गया कि देश में लगातार सामने आ रहे पेपर लीक के मामलों से लाखों छात्रों का भविष्य प्रभावित हुआ है। पार्टी ने ऐसे मामलों की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सख्त कानून बनाने और युवाओं के लिए रोजगार के ठोस अवसर उपलब्ध कराने की मांग की। इसके साथ ही, शांतिपूर्ण प्रदर्शन के संवैधानिक अधिकार की रक्षा सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया। आप कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रपति से हस्तक्षेप कर युवाओं के हितों की रक्षा करने और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत बनाए रखने की अपील की।

# सम्पादकीय

## हंगामे के आसार

विपक्षी दलों ने संसद के मानसून सत्र के पहले बुलाई गई सर्वदलीय बैठक का जिस तरह थोड़ी देर के लिए ही सही बहिष्कार किया, उससे यह अनुमान सहज ही लगाया जा सकता है कि यह सत्र हंगामे से भरा रहने वाला है। विपक्षी दलों ने सर्वदलीय बैठक का बहिष्कार इसलिए किया, क्योंकि इस बैठक में तृणमूल कांग्रेस से अलग हुए गुट को भी बुलाया गया था। इससे केवल यही नहीं स्पष्ट होता कि विपक्ष इस बैठक के बहिष्कार का बहाना तलाश कर रहा था, बल्कि यह भी पता चलता है कि वह अपने बिखराव का दोष भी सत्ता पक्ष पर मढ़ना चाहता है।

संसद के पिछले सत्र के मुकाबले इस समय तस्वीर बहुत बदली हुई है। पिछले सत्र में विपक्ष इसलिए उत्साहित था कि उसने महिला आरक्षण से जुड़े परिसीमन संबंधी संविधान संशोधन विधेयक को दो तिहाई बहुमत से पारित नहीं होने दिया था। इस विधेयक के पारित न होने से विपक्ष की एकजुटता को बल मिला था, लेकिन अब स्थिति बदल चुकी है और इसके लिए विपक्षी गठबंधन के नेतृत्व का दावा करने वाली कांग्रेस भी जिम्मेदार है। उसने तमिलनाडु में जिस तरह सत्ता के लोभ में द्रमुक का साथ छोड़ा, उसका परिणाम यह हुआ कि उसने कांग्रेस से दूरी बना ली और अब वह संसद में उसके साथ बैठने के लिए भी तैयार नहीं है।

यदि यह मान भी लिया जाए कि पश्चिम बंगाल में पराजय के बाद तृणमूल कांग्रेस में बिखराव भाजपा के समर्थन और प्रोत्साहन से हुआ तो इसका जवाब तो कांग्रेस को ही देना होगा कि तमिलनाडु में उसका सबसे करीबी सहयोगी दल उससे क्यों छिटक गया?

पिछले सत्र के मुकाबले इस सत्र के आने तक विपक्ष की कमजोरी का अनुमान इससे भी लगाया जा सकता है कि तृणमूल कांग्रेस के बाद उद्धव ठाकरे की शिवसेना में भी विभाजन हो गया और अब इसके कयास लगाए जा रहे हैं कि शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी भी भाजपा की अगुआई वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का हिस्सा बनने के लिए तैयार है।

कुल मिलाकर इस समय विपक्ष न केवल बिखरा हुआ दिख रहा है, बल्कि हताश एवं निराश भी। इस स्थिति में संसद के इस सत्र में आए दिन हंगामा देखने को मिल सकता है। निश्चित रूप से विपक्ष के उन मुद्दों पर संसद में चर्चा होनी ही चाहिए, जिनका उल्लेख उसकी ओर से सर्वदलीय बैठक में किया गया। बात चाहे राम मंदिर में चढ़ावा चोरी की हो अथवा नीट पेपर लीक की-इन सब मुद्दों पर संसद में चर्चा होनी ही चाहिए, लेकिन यह बहुत कुछ इस पर निर्भर करेगा कि विपक्ष अपनी ओर से उठाए गए मुद्दों पर सरकार की जवाबदेही को लेकर आग्रही रहेगा अथवा हंगामा करने के लिए? इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि अब विपक्ष संसद में जनता से जुड़े मुद्दों पर कोई सार्थक चर्चा के स्थान पर हंगामा करना ही सही समझता है।

## सहन करो सफल बनो

एक सूक्ति हैं सहन करो-सफल बनो । गुरुदेव के मुख से भी यही हमको आशीर्वाद मिलता हैं कि - कोई कितना भी ग़ुस्सा कर ले हमें समता भाव रखना हैं ।10 मिनट का क्रोध 600 सेकंड की प्रसन्नता छीन लेता है। माचिस की तीली के सर तो होता है पर दिमाग़ नही होता हैं । अतः यह थोड़ा रगड़ खाने से सुलग उठती है । हमारे पास तो सर दिमाग़ दोनों है फिर हम उत्तेजित एवं क्रोधित होकर अपनी प्रसन्नता को आग क्यों लगाएं ? वह जहां सामुदायिक जीवन होता है, वहां व्यवस्था तंत्र की और अनुशासन की भी आवश्यकता हो सकती है। मनुष्य सामुदायिक जीवन जीता है। इस दुनिया में देखें तो चाहे देश हो, राष्ट्र, प्रान्त, नगर आदि- आदि हर जगह एक शासन प्रणाली चलती है। भले कहीं राजतांत्रिक प्रणाली हो अथवा लोकतांत्रिक प्रणाली हो, सभी जगह एक मुखिया होता है। राजतंत्र में राजा का प्राधान्य और लोकतांत्रिक प्रणाली में मंत्री, प्रधानमंत्री आदि-आदि होते हैं। जहां मनुष्य का सामुदायिक जीवन होता है, वहां एक शासन प्रणाली होती है। प्रश्न हो सकता है कि शासन प्रणाली की क्या आवश्यकता, जिसका जैसा मन हो, आदमी वैसा करे। शासन प्रणाली भी आवश्यक होती है। आदमी को भोजन, मकान, आदि-आदि अपेक्षित होती है, जिसकी प्राप्ति उसके लिए अभिष्ट होती है। एक आदमी के पास रोटी है और कोई दूसरा उससे रोटी छिन ले जाए। मकान किसी और का है और कोई दूसरा उसको जबरदस्ती वहां से भगाकर स्वयं रहने लग जाए तो ऐसे में आदमी शांति से जीवन कैसे जी सकता है? इसलिए जीवन को शांति और सुचारू ढंग से चलाए रखने के लिए शासन प्रणाली की अपेक्षा होती है। किसी के स्वभाव में सहनशीलता होना दुर्बलता नहीं है अपितु उच्च कोटि की परिपक्वता है । वह जो व्यक्ति दूसरों के अप्रिय व्यवहार से टूटता ही नजर आता है । वह जीवन में कभी आगे नहीं बढ़ पाता । वह अपने मन की जड़ें कभी मजबूत नहीं कर पाता हैं । सहनशीलता का मतलब यह नहीं कि अन्याय स्वीकार करे बल्कि यह समझना है कि गुस्से से कुछ नहीं सुधरता हैं ।

› प्रदीप छाजेड़

# 'योगी की जय कन्हैया व टेंशन में है अखिलेश भैया'

66

**ब्रज क्षेत्र और देश भर के प्रमुख संत समाज, जिसमें अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद भी शामिल है, ने मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि की मुक्ति और शाही ईदगाह मस्जिद के स्थान पर भव्य मंदिर के निर्माण के लिए आगामी 9 अगस्त 2026 को सांकेतिक रूप से 'कार सेवा' करने का एक बड़ा और ऐतिहासिक ऐलान किया है।**

'योगी की जय कन्हैया व टेंशन में है अखिलेश भैया'—यह महज उत्तर प्रदेश की राजनीति में उपजा एक नया नारा या तात्कालिक राजनीतिक बयानबाजी नहीं है। असल में, यह आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 की पिच तैयार करने, राज्य की राजनीति को एक बड़े वैचारिक ध्रुवीकरण की ओर ले जाने और विपक्ष की सामाजिक घेराबंदी करने का एक बेहद दूरगामी और सुनियोजित खाका है। हाथरस की जनसभा से लेकर संभल, बुलंदशहर और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के तमाम मंचों से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी (सपा) के मुखिया अखिलेश यादव को जिस प्रकार 'श्रीकृष्ण जन्मभूमि' और ब्रज संस्कृति के मुद्दे पर घेरा है, उसने सपा के रणनीतिकारों और थिंक-टैंक को एक बेहद गहरी 'टेंशन', कशमकश और राजनीतिक असमंजस में डाल दिया है।

यह नारा इस समय के पूरे सियासी घमासान के ऐतिहासिक संदर्भों, चुनावी गणित, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के उभार, समाजवादी पार्टी के सामने खड़ी अस्मितावादी दुविधा और भारतीय लोकतंत्र पर इसके पड़ने वाले व्यापक प्रभावों का एक अत्यंत निष्पक्ष, गंभीर और विस्तृत विश्लेषण प्रस्तुत करता है। हमें उत्तर प्रदेश की राजनीति को समझने के लिए देश के सांस्कृतिक और धार्मिक इतिहास को समझना अनिवार्य है। भारतीय राजनीति में पिछले चार दशकों से 'अयोध्या, काशी और मथुरा' की तिकड़ी सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और दक्षिणपंथी विमर्श के केंद्र में रही है। जनवरी 2024 में अयोध्या में भव्य राम मंदिर के निर्माण और रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा के बाद, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वैचारिक और राजनीतिक एजेंडे में स्वाभाविक रूप से अगला सबसे बड़ा पड़ाव मथुरा की 'श्रीकृष्ण जन्मभूमि' है। यह ताजा राजनीतिक विवाद तब और अधिक गर्मा गया जब समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अयोध्या में हुए राम मंदिर के चढ़ावे में कथित 'चोरी, वित्तीय अनियमितताओं और भूमि घोटालों' का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। इसके साथ ही उन्होंने यह भी बयान दिया कि यदि भविष्य में प्रदेश में उनकी सरकार आती है, तो वे अयोध्या को एक आदर्श 'धार्मिक नगरी' के रूप में और बेहतर ढंग से विकसित करेंगे ताकि वहां के स्थानीय निवासियों को असुविधा न हो।अखिलेश यादव के इसी आक्रामक दांव पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बेहद तीखा और रणनीतिक पलटवार किया। योगी ने जनसभाओं से सीधे तौर पर अखिलेश यादव को चुनौती देते हुए कहा:₹अखिलेश जी, आप अयोध्या की चिंता छोड़िए, पहले अपने अतीत के फैसलों पर पश्चाताप करिए और एक बार प्रभु श्रीरामलला के चरणों में जाकर दर्शन कर आइए, जिससे आपको सद्बुद्धि आए। अगर आप वास्तव में खुद को धार्मिक और सनातनी साबित करना चाहते हैं, तो मथुरा-वृंदावन और श्रीकृष्ण जन्मभूमि की मुक्ति के लिए खुलकर अपना स्टैंड साफ करिए।₹योगी आदित्यनाथ का यह तीखा बयान सपा को उसी की 'सॉफ्ट हिंदुत्व' और 'यदुवंशी' (यादव) पहचान की पिच पर घेरने की एक सोची-समझी राजनीतिक चाल है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की इस रणनीतिक घेराबंदी के पीछे कई ऐसे बिंदु हैं जो सीधे तौर पर बहुसंख्यक समाज की भावनाओं को छूते हैं। योगी आदित्यनाथ ने अपने भाषणों में लगातार जनता को यह याद दिलाया कि समाजवादी पार्टी के शासनकाल में उत्तर प्रदेश के थानों, चौकियों और जेलों में पारंपरिक रूप से होने वाले 'कृष्ण जन्माष्टमी' के भव्य आयोजनों पर अघोषित या लिखित रूप से रोक लगा दी गई थी। उन्होंने कांवड़ यात्राओं पर लगे पूर्ववर्ती प्रतिबंधों और लाठीचार्ज का भी जिक्र किया। इसके जरिए वे बहुसंख्यक हिंदू समाज के मन में यह संदेश गहरा करना चाहते हैं कि सपा का मूल चरित्र हमेशा से 'तुष्टिकरण' से प्रेरित रहा है और सत्ता में आते ही वे बहुसंख्यक धार्मिक आस्थाओं को दबाने का प्रयास करते हैं।

भाजपा ने विकास के आर्थिक मॉडल को धार्मिक आस्था और अस्मिता से जोड़कर एक नया नैरेटिव तैयार किया है। योगी आदित्यनाथ अक्सर अपने मंचों से कहते हैं कि 2017 से पहले जनता की गाढ़ी कमाई का पैसा 'कब्रिस्तानों की बाउंड्री वॉल' बनाने और विशेष त्योहारों के बिजली प्रबंधन में खर्च होता था, जबकि वर्तमान भाजपा सरकार उसी पैसे को अयोध्या, काशी, मथुरा, नैमिषारण्य और चित्रकूट के सौंदर्यीकरण तथा श्रद्धालुओं की बुनियादी सुविधाओं पर खर्च कर रही है। यह सीधा तुलनात्मक विमर्श आम जनता के बीच गहरी छाप छोड़ता है।

संतों ने सार्वजनिक रूप से अखिलेश यादव से सीधे तीखे सवाल किए हैं। संतों का कहना है कि यदि अखिलेश खुद को भगवान श्रीकृष्ण का वंशज (यदुवंशी) मानते हैं, तो उन्हें इस पवित्र अभियान का खुलकर समर्थन करना चाहिए और कार सेवा के लिए 'पहला पत्थर' उठाने के लिए खुद आगे आना चाहिए। दरअसल अखिलेश यादव इस समय एक ऐसी त्रिशंकु स्थिति में फंस गए हैं जहां उनका हर एक कदम एक नया राजनीतिक जोखिम लेकर आ रहा है। इस 'टेंशन' के तीन मुख्य पहलू हैं: 1: 'एम-वाई' (M-Y) समीकरण के बिखरने का सीधा खतरा -समाजवादी पार्टी की मुख्य ताकत और चुनावी आधार पारंपरिक रूप से मुस्लिम (M) और यादव (Y) मतदाताओं के मजबूत और अटूट गठजोड़ पर टिका रहा है। योगी आदित्यनाथ ने मथुरा का मुद्दा उठाकर इसी गठजोड़ की सबसे कमजोर नस पर हाथ रख दिया है:यदि अखिलेश मथुरा आंदोलन का समर्थन करते हैं तो उनका सबसे वफादार और एकजुट 'मुस्लिम' वोटबैंक उनसे पूरी तरह से नाराज और ठगा हुआ महसूस कर सकता है, क्योंकि मुस्लिम समुदाय शाही ईदगाह मस्जिद के कानूनी और धार्मिक वजूद को बचाने के पक्ष में है। उन्हें लगेगा कि सपा भी भाजपा के 'बहुसंख्यकवाद' के आगे नतमस्तक हो गई है।यदि अखिलेश मथुरा आंदोलन का विरोध करते हैं: तो भाजपा और संत समाज उन्हें तुरंत 'सनातन विरोधी' और 'मुस्लिम तुष्टिकरण का सबसे बड़ा पैरोकार' घोषित कर देंगे। इससे यादव समुदाय और अन्य पिछड़ी जातियों का वह बड़ा हिस्सा, जो अपनी धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान को लेकर अत्यधिक भावुक और सजग है, सपा से छिटक कर भाजपा के पाले में जा सकता है।अखिलेश यादव अक्सर रैलियों में और भगवान कृष्ण की मूर्तियां स्थापित करवाकर यह गर्व से कहते आए हैं कि भगवान कृष्ण मेरे भी सपने में आते हैं और हम उनके सच्चे वंशज हैं।

**अशोक भाटिया**

## स्काईरूट का...

ज्ञान चंद पाटनी

# 'विक्रम-1 'के लिए जश्न के बीच इसरो पर भी ध्यान दें

प्राइवेट स्पेस स्टार्टअप स्काईरूट एयरोस्पेस ने देश का पहला प्राइवेट ऑर्बिटल रॉकेट 'विक्रम-1' सफलता-पूर्वक लॉन्च कर दिया है। इस तरह भारत ने अंतरिक्ष मिशन में एक और उपलब्धि दर्ज कर ली है। इसके साथ ही भारत वैश्विक निजी कक्षीय प्रक्षेपण बाजार में प्रवेश कर गया है। अंतरिक्ष सेक्टर को निजी क्षेत्र के लिए खोलने के बाद भारत में ऐसे स्टर्टअप्स की संख्या तेजी से बढ़ी है। वर्तमान में भारत में करीब चार सौ ऐसे स्टार्टअप्स काम कर रहे हैं। इनमें विदेश से भी खूब निवेश हो रहा है। जाहिर है उनके पास पैसे की कमी नहीं है। स्टार्टअप्स इसरो से जुड़े वैज्ञानिकों को ज्यादा पैसा देकर आसानी से तोड़ सकते हैं। वे अपने मंसूबों में कामयाब भी हो रहे हैं, लेकिन इससे इसरो के राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े प्रोजेक्ट प्रभावित हो रहे हैं। इसलिए स्काईरूट एयरोस्पेस की सफलता पर जश्न मनाने के साथ इस बात का भी आकलन किया जाना चाहिए कि कहीं इस प्रक्रिया में इसरो जैसे संस्थान तो हाशिए पर नहीं जा रहे हैं। निश्चित ही भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी कंपनियों की बढ़ती मौजूदगी एक ऐतिहासिक बदलाव का संकेत है। एक समय था जब उपग्रह, प्रक्षेपण यान और तकनीकी नवाचार लगभग पूरी तरह सरकारी संस्था इसरो के दायरे में आते थे। आज यह क्षेत्र स्टार्टअप्स, निजी निवेश, अंतरराष्ट्रीय

साझेदारी और व्यावसायिक लॉन्च सेवाओं की नई दुनिया बन रहा है। यह बदलाव देश के लिए अवसरों से भरा है, लेकिन इसके साथ ही कुछ गंभीर सवाल भी खड़े करता है—खासकर तब, जब इसरो जैसे प्रतिष्ठित संस्थान से बड़ी संख्या में वैज्ञानिकों के निजी कंपनियों में जाने की खबरें आ रही हैं। 2023 की भारतीय अंतरिक्ष नीति ने इसरो के ऑपरेशनल स्पेस सिस्टम, रॉकेट निर्माण और सैटेलाइट असेंबलिंग जैसे कामों को निजी कंपनियों और स्टार्टअप्स को आउटसोर्स करने का रास्ता खोल दिया। अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी भागीदारी बढ़ाने का यह कदम इसरो पर भारी पड़ा। निजी इकाइयों को वही वैज्ञानिक चाहिए जो इसरो के काम और सिस्टम को जानते हों। इसके लिए वैज्ञानिकों को ज्यादा वेतन देकर इसरो से बाहर खींचने का सिलसिला शुरू हो गया। इसरो की असली ताकत उसके लोगों में है; उन्हें संरक्षित किए बिना हम तकनीकी स्वायत्तता और सार्वजनिक हित की सुरक्षा नहीं कर पाएंगे।

यह मामला केवल इसरो बनाम प्राइवेट सेक्टर का नहीं है। असली मुद्दा यह है कि क्या भारत एक ऐसा संतुलित मॉडल बना पा रहा है जिसमें राष्ट्रीय शोध संस्थानों की ताकत बनी रहे, निजी नवाचार को भी जगह मिले और प्रतिभा का पलायन किसी एक दिशा में असंतुलन पैदा न करे। अंतरिक्ष जैसे रणनीतिक क्षेत्र में यह संतुलन बहुत नाजुक होता है। यदि यह बिगड़ा, तो लाभ के साथ हानि भी हो सकती है। अंतरिक्ष क्षेत्र अब महज वैज्ञानिक प्रतिष्ठा का विषय नहीं रहा। यह संचार, नेविगेशन, रक्षा, मौसम पूर्वानुमान, आपदा प्रबंधन, कृषि, शहरी नियोजन और इंटरनेट सेवाओं से जुड़ा क्षेत्र बन चुका है। इसी कारण भारत ने नीति स्तर पर इस क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिए खोला। सरकार ने भारतीय अंतरिक्ष नीति 2023 जारी की, 100 प्रतिशत एफडीआई की अनुमति दी और इन—स्पेस जैसे संस्थागत ढांचे को निजी कंपनियों और सरकारी एजेंसियों के बीच पुल के रूप में विकसित किया। नतीजे सामने आए। स्काईरूट, अग्निकुल, पिक्सेल और गैलेक्सआई जैसी कंपनियां बनीं।

स्काईरूट का विक्रम-एस और विक्रम-1 जैसे मिशनों तक पहुंचना बताता है कि भारत में निजी क्षेत्र अब केवल सहायक भूमिका में नहीं, बल्कि तकनीकी नेतृत्व की भूमिका में भी आगे बढ़ रहा है। स्पेस स्टार्टअप्स की संख्या में तेज बढ़ोतरी इस बदलाव का सबसे बड़ा प्रमाण है। कुछ समय पहले तक यह क्षेत्र लगभग सीमित दायरे में था, वहीं अब सैकड़ों कंपनियाँ इसमें सक्रिय हैं।

## विकसित भारत के निर्माण में कदम बढ़ाती बागपत की युवा शक्ति

भारत को वर्ष 2047 तक एक पूर्ण विकसित, आत्मनिर्भर और ज्ञान-आधारित वैश्विक महाशक्ति के रूप में स्थापित करने की दिशा में देश की युवा आबादी को भविष्य की आवश्य-कताओं के अनुरूप तैयार करना केंद्र व प्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमि-कताओं में शामिल है। इस राष्ट्रीय मिशन के अंतर्गत युवाओं को आधुनिक कौशल, उन्नत तकनीक और रोजगार के नए अवसरों से जोड़ने के लिए व्यापक स्तर पर पहल की जा रही है। 21वीं सदी की चुनौतियों से निपटने और वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की स्थिति को सुदृढ़ करने के लिए देश के शैक्षणिक व कौशल ढांचे को उद्योग जगत की भावी जरूरतों के अनुकूल ढाला जा रहा है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति और कौशल विकास अभियानों के एकीकृत समन्वय से युवाओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, मशीन लर्निंग, डेटा एनालिटिक्स और ग्रीन टेक्नोलॉजी जैसे अत्याधुनिक क्षेत्रों में प्रशिक्षित किया जा रहा है। सरकार का मुख्य उद्देश्य केवल पारंपरिक प्रशिक्षण देना नहीं, बल्कि युवाओं में डिजिटल साक्षरता और तकनीकी दक्षता को इस स्तर तक बढ़ाना है कि वे वैश्विक पटल पर प्रतिस्पर्धी बन सकें। देश के दूरदराज के क्षेत्रों तक उच्च स्तरीय प्रशिक्षण पहुँचाने के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म्स और आधुनिक औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों का तेजी से कायाकल्प किया जा रहा है।

विकसित भारत के लक्ष्य को जमीनी स्तर पर उतारने की दिशा में कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय द्वारा जिला स्तरीय कौशल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत पायलट प्रोजेक्ट संचालित किए जा रहे हैं। इस राष्ट्रीय पहल के तहत उत्तर प्रदेश के बागपत जनपद का चयन एक ऐतिहासिक और अत्यंत महत्वपूर्ण उपलब्धि है। देश के केवल दो चुनिंदा जनपदों में बागपत का चयन होना यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि यहाँ की युवा क्षमता, सामाजिक ऊर्जा और विकास की अपार संभावनाओं को राष्ट्रीय स्तर पर गंभीरता से स्वीकार किया गया है।

बागपत जनपद में लगभग 4 लाख 70 हजार युवाओं की विशाल आबादी निवास करती है, जो इस क्षेत्र की सबसे बड़ी जनसांख्यिकी शक्ति है। यहाँ के युवा कृषि, खेल, नवाचार, सामाजिक क्षेत्र और स्वरोजगार के क्षेत्र में निरंतर नई पहचान बना रहे हैं। इस पायलट प्रोजेक्ट के माध्यम से बागपत के युवाओं को राष्ट्रीय विकास की मुख्यधारा से जोड़कर रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। यहाँ विकसित होने वाला कौशल आधारित विकास मॉडल युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की नई दिशा तय करेगा।

वर्तमान समय में सबसे बड़ी व्यावहारिक चुनौती सूचना और अवसरों के बीच का अंतर है। बड़ी संख्या में युवाओं को यह जानकारी ही नहीं हो पाती कि उनके लिए कौन-कौन सी योजनाएं, प्रशिक्षण कार्यक्रम, डिजिटल अवसर और रोजगार आधारित पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। इस इन्फॉर्मेशन गैप को समाप्त करने तथा युवाओं तक एकीकृत रूप से जानकारी पहुँचाने के लिए विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया जा रहा है। जिला प्रशासन, कौशल विकास, शिक्षा, उद्योग, युवा कल्याण, सेवायोजन और 'माय भारत' जैसे सभी संबंधित प्लेटफार्म्स की एकीकृत कार्ययोजना क्रियान्वित की जा रही है।

## जरा हटके

## यह नीति केवल ...

सी0एल0 सिंह

# नई आबकारी निर्यात नीति से उत्तर प्रदेश बनेगा वैश्विक स्तर पर निर्यात हब

किसी भी राज्य की आर्थिक प्रगति केवल उत्पादन बढ़ाने से नहीं, बल्कि उसके उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचाने की क्षमता से निर्धारित होती है। आज वैश्विक अर्थव्यवस्था के इस प्रतिस्पर्धी दौर में वही राज्य तेजी से आगे बढ़ रहे हैं, जिन्होंने उद्योग, कृषि, निवेश और निर्यात को एकीकृत विकास मॉडल के रूप में अपनाया है। उत्तर प्रदेश भी इसी दिशा में निरंतर नए आयाम स्थापित कर रहा है। मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने औद्योगिक विकास, निवेश और निर्यात को नई गति देने के उद्देश्य से एक ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए वित्तीय वर्ष 2026-27 से 2028-29 तक तीन वर्षों के लिए पृथक आबकारी निर्यात नीति लागू करने का फैसला किया है। इस दूरदर्शी पहल के साथ उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य बन गया है जिसने पहली बार तीन वर्षीय अलग आबकारी निर्यात नीति लागू की है।

यह नीति केवल आबकारी उत्पादों के निर्यात को प्रोत्साहित करने तक सीमित नहीं है, बल्कि कृषि, उद्योग, निवेश, रोजगार और वैश्विक व्यापार को एक साझा विकास दृष्टि से जोड़ने वाली व्यापक आर्थिक रणनीति है। इसका उद्देश्य उत्तर प्रदेश में निर्मित उत्पादों को अंतर्राष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों के अनुरूप तैयार करना, निर्यातकों को प्रतिस्पर्धी वातावरण उपलब्ध कराना तथा प्रदेश को वैश्विक निर्यात मानचित्र पर मजबूत पहचान दिलाना है। उत्तर प्रदेश अब अल्पकालिक प्रशासनिक उपायों से आगे बढ़कर दीर्घकालिक आर्थिक नियोजन की दिशा में प्रभावी कदम उठा रहा है। पिछले कुछ वर्षों में उत्तर प्रदेश ने औद्योगिक विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। बेहतर कानून-व्यवस्था, निवेशक-अनुकूल नीतियां, विश्वस्तरीय एक्सप्रेस-वे नेटवर्क, आधुनिक लॉजिस्टिक्स, सिंगल विंडो प्रणाली तथा 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' में सुधार ने प्रदेश को निवेश का पसंदीदा गंतव्य बनाया है। अब सरकार का लक्ष्य इन औद्योगिक उपलब्धियों को वैश्विक बाजारों तक पहुंचाना है। नई आबकारी निर्यात नीति इसी व्यापक सोच का परिणाम है, जो उत्तर प्रदेश को एक मजबूत विनिर्माण और निर्यात केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की यह नीति कृषि और उद्योग के बीच एक सशक्त आर्थिक सेतु का कार्य करेगी। उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा गन्ना उत्पादक राज्य है। इसके साथ ही प्रदेश में बड़े पैमाने पर अनाज, फल एवं अन्य कृषि उत्पादों का उत्पादन होता है। इन कृषि संसाधनों पर आधारित डिस्टिलरी, एथेनॉल एवं संबंधित उद्योगों को नई नीति से विशेष लाभ मिलेगा। स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कच्चे माल का अधिक उपयोग होने से किसानों को अपने उत्पादों का बेहतर मूल्य मिलेगा, कृषि उत्पादों का मूल्य संवर्धन होगा तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती प्राप्त होगी। यह नीति केवल उद्योगों को ही नहीं, बल्कि लाखों किसानों की आय बढ़ाने में भी सहायक सिद्ध होगी।

इस नीति के तहत निर्यात को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार ने कई महत्वपूर्ण रियायतें प्रदान की हैं। नई नीति के अंतर्गत निर्धारित उत्पादन क्षमता के 25 प्रतिशत तक के समतुल्य निर्यात के लिए उपयोग करने वाले निर्यातकों हेतु बोतल भराई शुल्क, निर्यात पास शुल्क, फ्रेंचाइजी शुल्क तथा स्पेशल फीस की दरों को न्यूनतम स्तर तक कम कर दिया है। इससे निर्यात लागत में उल्लेखनीय कमी आएगी और उत्तर प्रदेश में निर्मित उत्पाद अंतर्राष्ट्रीय बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धी बन सकेंगे। साथ ही ब्रांड पंजीकरण एवं लेबल अनुमोदन की प्रक्रिया को भी सरल और पारदर्शी बनाया गया है, जिससे उद्योगों का समय और लागत दोनों बचेंगे तथा व्यापारिक गतिविधियों को गति मिलेगी। नई आबकारी निर्यात नीति का एक अत्यंत महत्वपूर्ण प्रावधान शीरा आधारित एक्स्ट्रा न्यूट्रल अल्कोहल (म्छ।) के अंतर्राज्यीय निर्यात से संबंधित है। प्रदेश सरकार ने इस पर लगने वाले शुल्क को घटाकर मात्र 50 पैसे प्रति बल्क लीटर तक कम कर दिया है। यह निर्णय प्रदेश की डिस्टिलरी इकाइयों के लिए अत्यंत लाभकारी साबित होगा। इससे उत्तर प्रदेश में निर्मित ईएनए अन्य राज्यों की तुलना में अधिक प्रतिस्पर्धी मूल्य पर उपलब्ध होगा और राज्य की औद्योगिक इकाइयों की बाजार हिस्सेदारी बढ़ने की संभावनाएं और अधिक मजबूत होंगी। सरकार ने इस नीति में केवल निर्यात बढ़ाने पर ही ध्यान केंद्रित नहीं किया है, बल्कि उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत और स्थानीय पहचान को भी वैश्विक मंच तक पहुंचाने का प्रयास किया है। नीति के अंतर्गत हेरिटेज मदिरा के निर्माण, टेस्टिंग टैवर्न तथा फुटकर बिक्री की अनुमति का प्रावधान किया गया है। यह पहल प्रदेश की पारंपरिक उत्पाद संस्कृति को नई पहचान प्रदान करेगी। विश्व के अनेक देशों में स्थानीय पेय उत्पाद वहां की सांस्कृतिक पहचान और पर्यटन का महत्वपूर्ण आकर्षण होते हैं। इसी प्रकार उत्तर प्रदेश भी अपनी ऐतिहासिक विरासत और स्थानीय उत्पादों को आर्थिक अवसरों में परिवर्तित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ा रहा है।

नई आबकारी निर्यात नीति का प्रभाव केवल डिस्टिलरी उद्योग तक सीमित नहीं रहेगा। जैसे-जैसे निर्यात गतिविधियां बढ़ेंगी, वैसे-वैसे पैकेजिंग उद्योग, परिवहन सेवाएं, वेयरहाउसिंग, कोल्ड चेन, कंटेनर लॉजिस्टिक्स, निर्यात आपूर्ति श्रृंखला तथा अन्य सहायक उद्योगों में भी निवेश बढ़ेगा।

### धक्का लगने पर भड़की, लाइन से खींचकर थप्पड़े जड़े, मां कहती रही- छोड़ दो, मर जाएगा

# बांकेबिहारी मंदिर में महिला सिपाही ने श्रद्धालु को पीटा

**धक्का-मुक्की**

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। मथुरा के बांके बिहारी मंदिर में महिला सिपाही ने एक श्रद्धालु की पिटाई कर दी। हुआ यूं कि भीड़ बढ़ने पर धक्का-मुक्की हो गई और सिपाही को धक्का लग गया। इस पर सिपाही भड़क गई। गुस्से में उसने दर्शन के लिए लाइन में लगे युवक को टी-शर्ट पकड़कर खींच लिया और ताबड़तोड़ थप्पड़ बरसाने लगी। 25 सेकेंड में उसने युवक को 8 थप्पड़ जड़ दिए। महिला के साथी पुलिसकर्मियों ने भी उसे नहीं रोका, बल्कि एक ने युवक का हाथ मरोड़ दिया। बेटे की पिटाई देख मां रोने लगी और चिल्लाती रही, बेटे को मत मारो, मर जाएगा। बाकी श्रद्धालु भी बीच-बचाव की कोशिश करते रहे, लेकिन महिला सिपाही नहीं मानी। पिटाई के बाद पुलिसकर्मी उसे घसीटते हुए वीआईपी वेटिंग एरिया से बाहर ले गए। घटना रविवार की बताई जा रही है। इसका वीडियो सोमवार सुबह 9 बजे सामने आया। अभी तक युवक की पहचान नहीं हो पाई है। लेकिन उन्होंने कुछ भी कहने से इनकार कर दिया। वह चिल्लाते हुए युवक की टी-शर्ट पकड़कर उसे थप्पड़ मारती है।

**युवक खुद को बचाने की कोशिश करता है, लेकिन महिला सिपाही उसे नहीं छोड़ती। इसी दौरान युवक की मां पुलिसकर्मियों के सामने खड़ी होकर उसे बचाने की कोशिश करती है, लेकिन महिला सिपाही लगातार थप्पड़ मारती रहती है। पास खड़ा एक पुलिसकर्मी युवक का हाथ पकड़े रहता है। इसके बाद बाकी पुलिसकर्मी उसे घसीटते हुए वहां से बाहर ले जाते हैं।**

## भीड़ ने आपत्ति जताई तो युवक घसीटते हुए बाहर ले गए

रविवार सुबह युवक परिवार के साथ ठाकुर बांके बिहारी के दर्शन के लिए आया था। वह गेट नंबर-4 पर वीआईपी रेलिंग के पास लाइन में खड़ा था। इसी दौरान भीड़ बढ़ने से धक्का-मुक्की हुई। महिला सिपाही को धक्का लग गया। गुस्से में महिला सिपाही उसे पीटने लगी।

बेटे को पिटता देख उसकी मां दौड़कर उसके पास पहुंची। वह रोते हुए पुलिसकर्मियों से उसे छोड़ने के लिए कहती रही, लेकिन किसी ने उसकी नहीं सुनी। बाकी श्रद्धालुओं ने युवक की पिटाई पर आपत्ति जताई। भीड़ बढ़ती देख पुलिसकर्मी युवक को घसीटते हुए वीआईपी वेटिंग एरिया से बाहर ले गए। 56 सेकेंड के वीडियो में दिख रहा कि वीआईपी रेलिंग के पास लाल रंग की टी-शर्ट पहने युवक को तीन-चार पुलिसकर्मियों ने घेर रखा है। महिला सिपाही उसे रेलिंग के पास से धक्का देते हुए बाहर लेकर आती है।

# 12 साल की लड़की फांसी पर लटकी

### 7 बहनों में सबसे छोटी, कहती थी- बहनों संग हिमाचल में रहना है

तमसा संकेत, एजेंसी

झांसी। झांसी में 12 साल की एक लड़की ने फांसी लगाकर जान दे दी। वह 7 बहनों में सबसे छोटी थी और अपनी दादी के साथ रहती थी। दादी नीचे काम कर रही थी, तभी लड़की ऊपर वाले कमरे में चली गई और पंखे पर तौलिए से फंदा बनाकर झूल गई। पुलिस के अनुसार, 7 बहनों में से 3 की शादी हो चुकी है, जबकि 3 अपने चाचा-चाची के साथ हिमाचल प्रदेश में रहती हैं। मां की पहले ही मौत हो चुकी, पिता भी घर पर नहीं रहते। लड़की भी बहनों के साथ हिमाचल में रहने की जिद करती थी। जिद पूरी नहीं होने पर जान दे दी। सोमवार दोपहर 12 बजे पुलिस ने पंचनामा भरा और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना की जांच की जा रही है। पूरा मामला बरुआसागर के उजयान गांव का है। बरुआसागर के उजयान गांव निवासी राघवेंद्र रायकवार ने बताया- मेरे बड़े भाई गोविंद रायकवार ट्रक चलाते हैं। उनकी 7 बेटियां हैं। इसमें से 3 की शादी हो चुकी है, जबकि 3 बहनें अपने चाची-चाची के साथ हिमाचल प्रदेश में रहती हैं। सबसे छोटी ममता (12) थी। ममता जब 5 महीने की थी, तब सड़क हादसे में उसकी मां कमला की मौत हो गई थी। उसे दादी पुष्पा देवी ने पाला और अब वो उन्हीं के साथ रहती थी। वह गांव के सरकारी स्कूल में 7वीं कक्षा में पढ़ रही थी।

**फास्ट न्यूज**

### युवक की संदिग्ध हालत में मौत

सुलतानपुर। सुलतानपुर के कादीपुर कोतवाली क्षेत्र के मगरावा गांव में सोमवार कोशाम लगभग 3 बजे एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। लगभग 22 वर्षीय प्रिंस कुमार का शव उसके कमरे में मिला है। मृतक के पिता रमेश कुमार ने बताया कि प्रिंस सुबह लगभग 5 बजे उनके साथ खेत पर काम करने गया था। खेत से लौटने के बाद उसने खाना खाया और अपने कमरे में जाकर लेट गया।

### भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष रोहित मिश्रा के जाते ही चली गोलियां

मेरठ। भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष रोहित मिश्रा सोमवार को मेरठ पहुंचे थे। उनके स्वागत के लिए बीजेपी कार्यकर्ता और समर्थक बड़ी संख्या में परतापुर टोल प्लाजा पर जुटे थे। जैसे ही रोहित मिश्रा का काफिला टोल प्लाजा से आगे बढ़ा। उसके करीब 10 मिनट बाद करीब 1 बजे दो पक्षों के बीच पुरानी रंजिश को लेकर फायरिंग हो गई। हालांकि, इस घटना में किसी को गोली नहीं लगी। पुलिस के मुताबिक, आरोपी और पीड़ित दोनों पक्ष पहले से एक-दूसरे को जानते हैं।

### डीएम ने अनाथ बहनों को मुख्यमंत्री बाल सेवायोजना से जोड़ा

देवरिया। देवरिया जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने सोमवार की दोपहर 12 बजे जनता दर्शन कार्यक्रम में एक अनाथ बालिका की फरियाद सुनी। उन्होंने बालिका और उसकी तीन बहनों को तत्काल मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना से जोड़ने तथा उनकी शिक्षा की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

# सीएमओ ने हरी झंडी दिखाकर किया दस्त नियंत्रण पखवाड़े का शुभारंभ

तमसा संकेत, संवाददाता

बलदेव (मथुरा)। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राधा वल्लभ ने सोमवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बलदेव से प्रचार वाहनों को हरी झंडी दिखाकर जिले में दस्त नियंत्रण पखवाड़े का शुभारंभ किया। अभियान की शुरुआत डायरिया से डर नहीं स्लोगन के साथ की गई।

सीएमओ ने बताया कि पीएसआई इंडिया एवं कैनव्यू संस्था के सहयोग से जिले के सभी विकासखंडों में प्रचार वाहनों के माध्यम से लोगों को दस्त (डायरिया) से बचाव के प्रति जागरूक किया जाएगा। अभियान के तहत आशा कार्यकर्ता घर-घर जाकर छह माह से पांच वर्ष तक के बच्चों को ओआरएस के पैकेट और जिंक की गोलियां वितरित करेंगी तथा दस्त से प्रभावित बच्चों को निकटतम स्वास्थ्य केंद्र पर उपचार के लिए भेजेंगी। उन्होंने बताया कि 25 अगस्त 2026 तक चलने वाले इस अभियान के दौरान जनपद के लगभग साढ़े तीन लाख बच्चों को ओआरएस के पैकेट वितरित किए जाएंगे। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बलदेव के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. विजेंद्र सिंह सिसोदिया ने बताया कि डायरिया रोकथाम अभियान के लिए सभी एएनएम और आशा कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण पूरा कराया जा चुका है। आशा कार्यकर्ता घर-घर जाकर डायरिया से पीड़ित बच्चों की देखभाल, स्वच्छ पेयजल के उपयोग और हाथ धोने की सही आदतों के बारे में लोगों को जागरूक करेंगी। उन्होंने कहा कि अभियान का मुख्य उद्देश्य डायरिया के कारण होने वाली बच्चों की असमय मृत्यु को रोकना और आमजन को इस बीमारी के प्रति जागरूक बनाना है।

इस अवसर पर डॉ. अनुज चौधरी, मुकेश गौतम, कोमल घई, अजय कुमार, चोब सिंह, विवेक सारस्वत, अजय सोलंकी, कुलदीप सारस्वत, अनिल राठौर, यशपाल सिंह, हरेंद्र सिंह सहित बड़ी संख्या में एएनएम एवं आशा कार्यकर्ता उपस्थित रहीं।

### 1994 बैच के आईपीएस, यूपी के रहने वाले थे, 1984 के सिख विरोधी दंगों की जांच की थी

# त्रिपुरा डीजीपी ऑफिस में मृत मिले, सुसाइड की आशंका

तमसा संकेत, एजेंसी

बागपत। यूपी के रहने वाले त्रिपुरा के डीजीपी अनुराग धनखड़ का शव मिला है। सोमवार सुबह वह पुलिस मुख्यालय में अचेत मिले। अधिकारियों ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस की शुरुआती जांच के मुताबिक, अनुराग धनखड़ ने सुसाइड किया है। उनका शव फिलहाल अगरतला के गोविंद बल्लभ पंत अस्पताल में रखा गया है। पुलिस और फॉरेंसिक टीम घटनास्थल पर जांच कर रही हैं। अनुराग धनखड़ 1994 बैच के IPS अफसर थे और बागपत के रहने वाले थे। इन्होंने 1984 के सिख विरोधी दंगों की जांच की थी। 25 साल पहले बागपत आए थे अनुराग धनखड़ अनुराग धनखड़ बागपत शहर से करीब 7 किलोमीटर दूर बिहारीपुर गांव के रहने वाले थे। वह करीब 25 साल पहले आखिरी बार गांव आए थे। गांव में उनका पैतृक मकान है, लेकिन गेट पर ताला लगा है। गांववालों ने बताया कि उनके परिवार का कोई सदस्य अब यहां नहीं रहता।

### गांव के प्राइमरी स्कूल में पढ़े थे अनुराग

डीजीपी अनुराग धनखड़ के परिवार में पत्नी कल्पना और एक बेटा अभिषेक है। अभिषेक कनाडा में रहते हैं। वहीं, अनुराग के 2 भाई हैं। छोटे भाई रविराज बड़ौत में खिलौने की दुकान करते हैं। दूसरे भाई विवेक एयरफोर्स से रिटायर होने के बाद एक प्राइवेट कंपनी में काम करते थे।

डीजीपी अनुराग धनखड़ के मित्र रमेश कुमार ने बताया- हम दोनों 12वीं तक साथ में पढ़े हैं। अनुराग वॉलीबॉल के अच्छे खिलाड़ी थे। ग्रेजुएशन के बाद वह दिल्ली चले गए थे।

# गौरव पहलवान ने 8 गाड़ियां खींचकर बनाया रिकॉर्ड

### अकोला में कार और स्कॉर्पियो समेत वाहनों को खींचा

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा के अकोला के युवा पहलवान ने सोमवार शाम 5 बजे अपनी अद्भुत ताकत का प्रदर्शन करते हुए एक साथ आठ वाहनों को खींचकर नया कीर्तिमान स्थापित किया। न्यू दक्षिणी बाइपास स्थित नगला कारे में आयोजित इस हैरतअंगेज प्रदर्शन को देखने के लिए आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। इस प्रदर्शन में पहलवान ने कार और स्कॉर्पियो समेत कुल आठ वाहनों को एक साथ खींचकर दर्शकों को आश्चर्यचकित कर दिया। कार्यक्रम के दौरान मौजूद लोगों ने पहलवान का तालियों के साथ उत्साहवर्धन किया। प्रदर्शन के बाद उन्होंने बताया कि यह उनके लिए पहली उपलब्धि नहीं है। इससे पहले भी वह एक ट्रक, एक डंपर और पांच गाड़ियों को एक साथ खींचने का कारनामा कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य अपने ही रिकॉर्ड को लगातार बेहतर बनाना है और भविष्य में इससे भी बड़ा प्रदर्शन करने की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि वह पहले एक कार को खींचते हुए आगरा से वृंदावन तक पैदल यात्रा भी पूरी कर चुके हैं। पहलवान का कहना है कि ऐसे प्रदर्शन केवल ताकत दिखाने के लिए नहीं, बल्कि युवाओं को मेहनत, अनुशासन, नियमित अभ्यास और शारीरिक फिटनेस के प्रति प्रेरित करने के उद्देश्य से किए जाते हैं। कार्यक्रम का संचालन और व्यवस्था संतोष चाहर एवं बंगाली चाहर ने संभाली।

### मां की डांट से आहत बीएससी पास युवती ने जान दी, घर में अकेली 8वीं की छात्रा भी मृत मिली

# 24 घंटे में दो छात्राओं ने सुसाइड किया

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। शहर में 24 घंटे के भीतर फंदे से लटकने की दो अलग-अलग घटनाओं ने लोगों को झकझोर कर रख दिया। पहली घटना गुजैनी थाना क्षेत्र में सामने आई, जहां घरेलू काम को लेकर मां की डांट से आहत 21 वर्षीय युवती ने कथित तौर पर अपने कमरे में फंदा लगाकर जान दे दी। वहीं दूसरी घटना नौबस्ता थाना क्षेत्र की है, जहां घर में अकेली मौजूद 13 वर्षीय छात्रा ने फंदे से लटककर अपनी जान गंवा दी। दोनों मामलों की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस प्रत्येक मामले की अलग-अलग जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार गुजैनी थाना क्षेत्र में रहने वाली 21 वर्षीय युवती रविवार रात करीब आठ बजे अपने कमरे में चली गई थी। बताया जा रहा है कि घरेलू काम को लेकर उसकी मां ने उसे डांट दिया था, जिसके बाद वह काफी परेशान थी। सोमवार सुबह करीब नौ बजे जब परिजन कमरे में पहुंचे तो युवती का शव फंदे से लटका मिला। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई और आसपास के लोग भी मौके पर जुट गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। दूसरी घटना नौबस्ता थाना क्षेत्र में हुई। पुलिस के मुताबिक 13 वर्षीय छात्रा घटना के समय घर में अकेली थी। उसके परिजन एक रिश्तेदार को देखने अस्पताल गए हुए थे। इसी दौरान छात्रा ने घर के अंदर फंदा लगाकर आत्मघाती कदम उठा लिया। जब परिजन वापस लौटे तो उन्होंने छात्रा को फंदे से लटका देखा। इसके बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी गई।

### नौबस्ता में घर में अकेली थी 8वीं की छात्रा

दूसरी घटना नौबस्ता थाना क्षेत्र के बूढ़पुर मछरिया की है। यहां विजय मिश्रा बिस्कुट फैक्ट्री में काम करते हैं। परिवार में पत्नी सोनम, बेटा देव और 13 वर्षीय बेटी आराध्या मिश्रा थी। आराध्या इलाके के शेमरॉक स्कूल में आठवीं कक्षा की छात्रा थी। परिजनों के मुताबिक, रविवार दोपहर वे मकसूदाबाद में एक रिश्तेदार को देखने गए थे। आराध्या घर में अकेली थी। देर रात लौटने पर काफी देर तक मुख्य दरवाजा नहीं खुला। किसी तरह घर के अंदर पहुंचे तो कमरे में चौखट से दुपट्टे के सहारे आराध्या का शव फंदे पर लटका मिला। इकलौती बेटी की मौत से परिवार में कोहराम मच गया।

### घरेलू काम को लेकर मां से हुआ था विवाद

गुजैनी थाना क्षेत्र के मर्दनपुर निवासी टैंकर चालक राधेश्याम के परिवार में पत्नी सुधा, दो बेटे रामकुमार और गोपाल तथा 21 वर्षीय बेटी निशा कुमारी रहती थी। भाई रामकुमार ने बताया कि निशा बीएससी पास करने के बाद घर पर ही रहती थी। रविवार रात करीब 8 बजे घरेलू काम को लेकर मां ने उसे डांट दिया, जिस पर दोनों के बीच कहासुनी हो गई। इसके बाद निशा दूसरे कमरे में सोने की बात कहकर चली गई।

दोनों घटनाओं की जानकारी मिलते ही संबंधित थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए साक्ष्य एकत्र किए हैं। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और परिजनों के बयान के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल दोनों मामलों में सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच जारी है।

**घटना :** कानपुर में मरने से पहले का वीडियो, बोला- पत्नी और ससुराल वालों से परेशान हूं

# थाने के बाहर खुद को जलाने वाले युवक की मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

(कानपुर)। कानपुर में थाने के गेट पर खुद को आग लगाने वाले युवक महेश पासवान (38) की रविवार देर रात लखनऊ के एक अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। मरने से पहले युवक का वीडियो सामने आया है। इससे वह कह रहा है कि वह पत्नी और ससुराल वालों से परेशान हो चुका है। बहन दाया ने कहा- मेरे भाई को ससुराल के लोगों ने बहुत मारा था। उस पर मुकदमा भी लिखवा दिया। इसी के बाद वह थाने गया था इंसाफ मांगने। बता दें 14 जुलाई को महाराजपुर थाने के गेट पर युवक चिल्लाते हुए पहुंचा। बोला- मुझे इंसाफ चाहिए। इससे पहले कि कोई कुछ समझ पाता उसने पेट्रोल भरी बोतल निकाली और खुद पर छिड़क लिया। फिर माचिस जलाकर खुद को आग के हवाले कर दिया। देखते ही देखते युवक आग की लपटों में घिर गया। वह तड़पते हुए इधर-उधर भागने लगा। थाने में अफरा-तफरी मच गई। इंस्पेक्टर, दरोगा और सिपाही उसे बचाने के लिए दौड़े। उस पर कंबल डाला। युवक को बचाने के चक्कर में इंस्पेक्टर, दरोगा और सिपाही झुलस गए। कुछ लोग बाल्टी में पानी लेकर आए। आग बुझाई। युवक को गंभीर हालत में उर्सला हॉस्पिटल में भर्ती कराया। जहां से उसे लखनऊ के केजीएमयू में भर्ती कराया गया। युवक ने 19 जुलाई की रात 11 बजे दम तोड़ दिया।

### आए दिन लड़ते-झगड़ते थे, सोमवार को पत्नी ने मुकदमा लिखवाया

पुलिस की जांच की तो पता चला कि महेश का पूनम से लंबे समय से विवाद चल रहा है। सोमवार को भी दोनों का आपस में झगड़ा हुआ था। मारपीट तक की नौबत आ गई थी। आसपास के लोगों के समझाने पर झगड़ा शांत हुआ था। इसके बाद पूनम ने रात करीब 8 बजे महेश के खिलाफ महाराजपुर थाने में मुकदमा दर्ज करा दिया। तहरीर में लिखा कि दोपहर 12 बजे मैं घर में थी, पति महेश शराब पीकर आया और बिना कारण के भद्दी-भद्दी गालियां देने लगा। लात-घूंसों से मारने लगा।

### भाभी के परिवार ने धमकी दी थी कि तुम्हारे परिवार को खत्म कर देंगे

महेश की बहन दाया ने बताया- भाई और भाभी का झगड़ा हुआ था तो भाई ने केवल 4 थप्पड़ मार दिए। इसके बाद भाभी ने अपने ससुराल वालों को बुला लिया। फिर वो चली गई। इसके बाद मेरा भाई ससुराल गया तो भाभी के परिवार वालों ने बहुत मारा। उन्होंने धमकी दी थी कि अगर तुम्हारे परिवार को खत्म कर देंगे इसके बाद पत्नी ने भी मुकदमा लिखा दिया। तो मेरा भाई थाने पहुंचा और वहां जाकर खुद को आग लगा ली।

# किन्नर का भेष बनाकर वसूली करने वालों पर सख्ती

### कानपुर सेंट्रल पर जीआरपी-आरपीएफ अलर्ट, ट्रेनों और प्लेटफॉर्म पर बढ़ाई निगरानी

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर सेंट्रल स्टेशन और ट्रेनों में किन्नर का भेष बनाकर यात्रियों से जबरन पैसे मांगने और परेशान करने वालों पर अब GRP और RPF सख्त कार्रवाई करेगी। रविवार को यात्री की शिकायत पर कानपुर सेंट्रल स्टेशन से 9 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। इसके बाद स्टेशन और ट्रेनों में विशेष निगरानी के निर्देश जारी किए हैं।

अधिकारियों का कहना है कि कंट्रोल रूम के हेल्पलाइन नंबर पर भी इस तरह की शिकायतें मिलने पर कार्रवाई की जाती है। लेकिन अब सतर्कता बढ़ा दी गई है। RPF इंस्पेक्टर एस.एन. पाटीदार ने बताया कि हेल्पलाइन पर मिलने वाली शिकायतों पर पहले से कार्रवाई की जाती रही है। अब ट्रेनों में तैनात जवानों को भी विशेष रूप से अलर्ट किया गया है। यदि सफर के दौरान कोई व्यक्ति किन्नर का भेष बनाकर यात्रियों से पैसे मांगता या उन्हें परेशान करता मिला तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। किन्नर होने की संदिग्धता लगने पर तुरंत ऐसे व्यक्ति से पूछताछ की जाएगी। GRP इंस्पेक्टर ओम नारायण सिंह ने बताया कि रविवार की घटना के बाद कानपुर सेंट्रल पर सतर्कता बढ़ा दी गई है। जवानों और दरोगाओं को निर्देश दिए गए हैं कि ऐसे लोगों पर नजर रखें, जो भोर के समय आउटर से ट्रेनों में चढ़ने की कोशिश करते हैं या किन्नर का भेष बनाकर यात्रियों से वसूली करते हैं। GRP इंस्पेक्टर का कहना है कि रविवार को हुई कार्रवाई से स्पष्ट संदेश गया है कि कानपुर सेंट्रल स्टेशन और यहां से गुजरने वाली ट्रेनों में किन्नर का भेष बनाकर या किन्नर के नाम पर यात्रियों से जबरन पैसे मांगने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर यात्रियों से जबरन पैसे मांगने, विरोध करने पर गाली-गलौज करने और हंगामा करने वाले 9 किन्नरों को रविवार को जीआरपी और आरपीएफ की संयुक्त टीम ने गिरफ्तार किया था।

## चोर ने पहले गुटखा खाया, गोलक को सरिया से तोड़ा, बैग में नोट भरकर भागा

# मथुरा में द्वारिकाधीश मंदिर में चोरी

**घटना**

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। भगवान श्रीकृष्ण की नगरी मथुरा स्थित विश्व प्रसिद्ध श्री द्वारिकाधीश मंदिर में रविवार देर रात चोरी की घटना सामने आई। अज्ञात चोर ने मंदिर के मुख्य प्रवेश द्वार के बाहर श्रद्धालुओं के दान के लिए रखी स्टील की गोलक का ताला तोड़कर उसमें रखी नकदी पार कर दी। पूरी वारदात मंदिर परिसर में लगे CCTV कैमरों में कैद हो गई है। घटना के बाद मंदिर प्रबंधन में हड़कंप मच गया, जबकि शहर कोतवाली पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि चोर पूरी तैयारी के साथ मंदिर पहुंचा था। उसने जल्दबाजी नहीं दिखाई, बल्कि काफी देर तक आसपास का माहौल देखा और पूरी तरह तसल्ली होने के बाद ही चोरी की वारदात को अंजाम दिया। CCTV फुटेज के अनुसार रविवार देर रात करीब 12 बजे 25 से 30 वर्ष का एक युवक मंदिर की सीढ़ियों पर बैठा दिखाई देता है। वह पहले कुछ देर तक मोबाइल फोन चलाता रहा।

द्वारकाधीश मंदिर में हुई चोरी की वारदात के बाद पुलिस अज्ञात चोर की तलाश में जुट गई है।

### महज दो मिनट में तोड़ दिया गोलक का ताला

रात करीब 12:30 बजे चोर ने सरिया की सहायता से गोलक का ताला तोड़ दिया। हैरानी की बात यह रही कि उसने मात्र दो मिनट के भीतर ताला तोड़कर गोलक खोल दी। ताला टूटने के बाद भी वह तुरंत नकदी निकालने नहीं लगा। कुछ देर तक वहीं बैठा रहा और आसपास की गतिविधियों पर नजर रखता रहा। इसी दौरान एक स्कूटी सवार मंदिर के सामने पहुंचा। उसने स्कूटी पर बैठे-बैठे भगवान द्वारिकाधीश को प्रणाम किया और कुछ ही क्षण बाद वहां से चला गया।

### श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए लगी थी गोलक

मंदिर के मुख्य प्रवेश द्वार की सीढ़ियों पर यह स्टील की गोलक श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए लगाई गई है। कई श्रद्धालु किसी कारणवश मंदिर के अंदर दर्शन के लिए नहीं जा पाते, ऐसे में वे बाहर लगी गोलक में अपनी श्रद्धानुसार दान कर देते हैं। इसी गोलक को चोर ने अपना निशाना बनाया। सोमवार तड़के सुबह करीब 5:15 बजे जब मंदिर के कर्मचारी नियमित व्यवस्था के लिए पहुंचे तो उन्होंने गोलक का ताला टूटा हुआ देखा। इसके बाद मंदिर प्रशासन को सूचना दी गई।

### गुटखा खाया, फिर सरिया लेकर पहुंचा गोलक के पास

कुछ मिनट बाद युवक ने अपनी जेब से गुटखे का पाउच निकाला और उसे खाया। इसके बाद उसने अपने साथ लाया गया लोहे का सरिया हाथ में लिया और गोलक के आसपास घूमकर एक बार फिर यह सुनिश्चित किया कि कोई व्यक्ति या वाहन उसकी गतिविधियों पर नजर नहीं रख रहा है। पहुंचा और सरिया की मदद से ताला तोड़ने लगा।

ये द्वारकाधीश मंदिर का मेन गेट है।

### पुलिस गश्त देखकर रुक गया चोर

फुटेज में दिखाई देता है कि इसी दौरान पुलिस की बाइक पर सवार दो पुलिसकर्मी नियमित गश्त करते हुए मंदिर के सामने से गुजरते हैं। पुलिस को देखकर युवक सतर्क हो गया और सामान्य व्यक्ति की तरह फिर से सीढ़ियों पर बैठ गया। उसने कोई हरकत नहीं की, जिससे किसी को उस पर शक न हो। पुलिस के वहां से निकल जाने के बाद उसने दोबारा आसपास का निरीक्षण किया और वारदात को अंजाम देने की तैयारी शुरू कर दी।

## ईवीएम-वीवीपैट वेयरहाउस का डीएम ने किया मासिक निरीक्षण

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने सोमवार को जनपद स्थित ईवीएम-वीवीपैट वेयरहा-उस का मासिक बाहरी निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में वेयरहाउस परिसर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने वेयरहाउस की नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सीसीटीवी कंट्रोल रूम के माध्यम से पूरे परिसर की निगरानी व्यवस्था का अवलोकन कर सुरक्षा इंतजामों की समीक्षा की। जिलाधिकारी ने वेयरहाउस की सुरक्षा में तैनात कर्मियों को आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही सुरक्षा कर्मियों से जिम्मेदारी के साथ ड्यूटी निभाने, सतर्कता बनाए रखने और परिसर की निरंतर निगरानी सुनिश्चित करने को कहा। निरीक्षण के दौरान इंडियन नेशनल कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। इस अवसर पर सहायक मुख्य निर्वाचन अधिकारी सुनीता सिंह, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) डॉ. पंकज कुमार वर्मा, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) अमरेश कुमार, डिप्टी कलेक्टर रघुवेंद्र सिंह, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी मनोज खंडेलवाल तथा लोक निर्माण विभाग के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

**फास्ट न्यूज**

### 'बहू राममंदिर पर बुलडोजर चलवाने की बात कर रही है'

आगरा। आगरा उत्तर विधानसभा क्षेत्र के विधायक पुरुषोत्तम खंडेलवाल ने सांसद डिंपल यादव को लेकर रविवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है। इससे सपा के नेता भड़क गए हैं। सोमवार की दोपहर 1:30 बजे सपा नेता नितिन कोहली ने प्रेस वार्ता करके भाजपा विधायक से दो दिन में माफी मांगने का अल्टीमेटम दिया है। ऐसा न करने पर उन्होंने विधायक के घर का घेराव करने और मुकदमा दर्ज कराने की चेतावनी दी है।

### दोस्त ने चाय के बहाने बुलाया

मुरादाबाद। मुरादाबाद में दोस्ती को शर्मसार करने वाली वारदात सामने आई है। भोजपुर थाना क्षेत्र में एक युवक ने अपने दोस्त को चाय पिलाने के बहाने घर से बुलाया। आरोप है कि धारदार हथियार से उसका गला रेतकर हत्या कर दी और शव जंगल में फेंक दिया। सोमवार को ताजपुर स्थित गरीब नवाज बैंक्वेट हॉल के पीछे 20 वर्षीय युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान मुगलपुरा थाना क्षेत्र के बरबालान निवासी एहसान उर्फ रितिक के रूप में हुई। वह मुर्गे की दुकान पर काम करता था।

### महिला की मौत पर अस्पताल में हंगामा

मुरादाबाद। मुरादाबाद के भोजपुर थाना क्षेत्र में रविवार देर शाम एक महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। इसके बाद परिजनों ने अस्पताल में जमकर हंगामा किया। उन्होंने डॉक्टरों पर गलत इलाज और लापरवाही का आरोप लगाते हुए तोड़फोड़ का प्रयास भी किया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को शांत कराया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

## कांग्रेस कार्यकर्ताओं का एमजी रोड पर पैदल मार्च

**डीएम ऑफिस का किया घेराव, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग**

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर आगरा शहर कांग्रेस कमेटी ने सोमवार को जोरदार प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने सुभाष पार्क से पैदल मार्च निकालकर एमजी रोड पर केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। इसके बाद कांग्रेस कार्यकर्ता ज्ञापन सौंपने जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे, लेकिन पुलिस प्रशासन ने गेट बंद कर उन्हें अंदर जाने से रोक दिया। इस पर कार्यकर्ताओं ने कहा कि यह जनता दरबार है, किसी के घर का दरवाजा नहीं है जिसे बंद कर दिया जाए। करीब आधे घंटे की नोकझोंक के बाद कुछ प्रतिनिधियों को डीएम मनीष बंसल से मिलने की अनुमति दी गई। डीएम को ज्ञापन सौंपने के बाद सभी कार्यकर्ता शांतिपूर्ण तरीके से वापस लौट गए। आगरा शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अमित सिंह ने केंद्र सरकार पर पेपर लीक को लेकर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के नेतृत्व में 100 से ज्यादा पेपर लीक हो चुके हैं। इससे लाखों छात्र और अभिभावक परेशान हैं।

आगरा शहर कांग्रेस कमेटी ने एमजी रोड पर प्रदर्शन कर धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग।

## अलीगढ़ में एसएसपी ने 10 उपनिरीक्षकों का किया ट्रांसफर

**कानून व्यवस्था में सुधार के लिए जारी किए आदेश**

तमसा संकेत, एजेंसी

कोल। अलीगढ़ के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) नीरज कुमार जादौन ने 10 उपनि-रीक्षकों के कार्यक्षेत्र में फेरबदल किया है। सोमवार को जारी आदेश के तहत सभी अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से नई तैनाती पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं।जारी आदेश के अनुसार, उपनिरीक्षक अंकित कुमार को थाना लोधा से चौकी प्रभारी रामघाट (थाना क्वार्सी) बनाया गया है। उपनिरीक्षक जितेंद्र पाराशर को थाना जवां से चौकी प्रभारी सीडीएफ (थाना जवां) की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

हरीश कुमार को चौकी प्रभारी कलुआ (थाना गभाना) से चौकी प्रभारी शाहपुर कुतुब (थाना रोरावर) भेजा गया है, जबकि उपनिरीक्षक सचिन कुमार को थाना गभाना से चौकी प्रभारी कलुआ नियुक्त किया गया है। महिला उपनिरीक्षक वंदना यादव का तबादला थाना गांधी पार्क से थाना लोधा किया गया है। उपनिरीक्षक मृणाल गुप्ता को थाना खैर से चौकी प्रभारी जट्टारी (थाना टप्पल) बनाया गया है। पुलिस लाइन में तैनात उपनिरीक्षक दिनेश कुमार और उपनिरीक्षक राकेश कश्यप को थाना दादों भेजा गया है। इसके अलावा, चौकी प्रभारी धौर्रामाफी (थाना क्वार्सी) रहे उपनिरीक्षक विक्रम सिंह को चौकी प्रभारी मेडिकल (थाना सिविल लाइन) नियुक्त किया गया है। वहीं, उपनि-रीक्षक अजय कुमार को चौकी प्रभारी सीडीएफ (थाना जवां) से चौकी प्रभारी धौर्रामाफी (थाना क्वार्सी) की जिम्मेदारी सौंपी गई है। एसएसपी कार्यालय की ओर से जारी आदेश में सभी अधिकारियों को नई जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी निष्ठा, पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही जनसुनवाई, अपराध नियंत्रण, महिला सुरक्षा और क्षेत्र की कानून व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने को कहा गया है।

## स्कूल समय बढ़ने से अभिभावकों में चिंता

**छोटे बच्चों के लिए अधिक समय पर उठे सवाल**

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। संस्कृति पब्लिक स्कूल, बलदेव द्वारा विद्यालय के समय में परिवर्तन किए जाने के बाद कई अभिभावकों ने छोटे बच्चों के लंबे स्कूल समय को लेकर चिंता व्यक्त की है। विद्यालय प्रशासन ने मौसम विभाग के पूर्वानुमान के आधार पर गर्मी का प्रकोप कम होने का हवाला देते हुए 20 जुलाई 2026 (सोमवार) से नया समय लागू करने की सूचना जारी की है।

विद्यालय की ओर से जारी सूचना के अनुसार, स्कूल का प्रारंभिक समय पहले की तरह प्रातः 8:00 बजे रहेगा, जबकि अवकाश का समय बढ़ाकर दोपहर 2:00 बजे कर दिया गया है। वहीं स्वयं के साधन अथवा पैदल आने वाले विद्यार्थियों को निर्धारित समय के 15 मिनट बाद छुट्टी दी जाएगी। विद्यालय के इस निर्णय के बाद विशेष रूप से प्री-प्राइमरी और प्राइमरी कक्षाओं के बच्चों के अभिभावकों ने चिंता जताई है। उनका कहना है कि छोटे बच्चों के लिए लगातार छह घंटे से अधिक समय तक विद्यालय में रहना शारीरिक और मानसिक रूप से चुनौतीपूर्ण हो सकता है। अभिभावकों का मानना है कि छोटे बच्चों के लिए अलग समय-सारिणी निर्धारित की जानी चाहिए।

हालांकि विद्यालय प्रशासन का कहना है कि मौसम में सुधार को देखते हुए समय में बदलाव किया गया है और यह निर्णय विद्यार्थियों के हित को ध्यान में रखकर लिया गया है। अब अभिभावकों की निगाह इस बात पर है कि क्या विद्यालय छोटे बच्चों के लिए अलग व्यवस्था पर विचार करेगा या वर्तमान समय-सारिणी ही जारी रहेगी।

## जौहर यूनिवर्सिटी तोड़ने का विरोध, सरपंच बोले- बुलडोजर मेरे ऊपर से होकर जाएगा

# मुस्लिम महापंचायत का प्रदर्शन

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा में उत्तर प्रदेश मुस्लिम महापंचायत ने रामपुर के मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी को तोड़े जाने का विरोध किया है। सोमवार दोपहर 12 बजे कलेक्ट्रेट परिसर में राज्य सरकार के खिलाफ प्रदर्शन और नारेबाजी की। प्रदर्शन के दौरान कलेक्ट्रेट परिसर 'हमें बुलडोजर नहीं, कलम और कॉपी चाहिए' और 'शिक्षा के मंदिर का सम्मान करो' जैसे नारे लगे। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे उत्तर प्रदेश मुस्लिम महापंचायत के प्रदेश सरपंच नदीम नूर ने बुलडोजर एक्शन का विरोध किया। उन्होंने सरकार की इस कार्रवाई को पूरी तरह द्वेषपूर्ण और चुनावी एजेंडा करार दिया। उन्होंने कहा, देश में जिस रफ्तार से आबादी बढ़ रही है, उसी अनुपात में शिक्षा के मंदिरों की भी जरूरत है।

### बुलडोजर चला तो सोनम वांगचुक की तर्ज पर दिल्ली में भूख हड़ताल करेंगे

प्रदर्शन के अंत में महापंचायत के पदाधिकारियों ने महामहिम राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपा। नदीम नूर ने कहा कि यह देश के 140 करोड़ उन नागरिकों की आवाज है जो शिक्षा में विश्वास रखते हैं। यदि सरकार ने अपनी हठधर्मी नहीं छोड़ी और तानाशाही रवैया अपनाते हुए बुलडोजर चलाया, तो वे सोनम वांगचुक की तर्ज पर दिल्ली के जंतर-मंतर पर भूख हड़ताल करेंगे। सड़क से लेकर संसद तक मार्च निकालेंगे। उन्होंने कहा कि शिक्षा के मंदिर की रक्षा के लिए अगर बुलडोजर चला, तो पहली लाश नदीम नूर की होगी।

### 'चुनाव आया तो याद आई, सरकार बीच का रास्ता निकाले'

नदीम नूर ने कहा कि, प्रदेश में भाजपा की सरकार का कार्यकाल लगभग साढ़े नौ साल का हो चुका है। अब जब चुनाव आने को है तो उसके ठीक पहले सरकार को यूनिवर्सिटी की 38 भवनों के अवैध होने की याद आ गई? उन्होंने मांग की कि यूनिवर्सिटी को ध्वस्त करने के बजाय सरकार कोई बीच का रास्ता निकाले। अगर तकनीकी रूप से निर्माण में कोई खामी है, तो भारतीय कानून के तहत पेनल्टी (जुर्माना) वसूल कर उसे वैध किया जाए या फिर सरकार इस यूनिवर्सिटी को पूरी तरह अपने अधीन ले ले। उन्होंने यहां तक कहा कि यदि सरकार को नाम से आपत्ति है, तो इसका नाम बदलकर पंडित दीनदयाल उपाध्याय यूनिवर्सिटी कर दिया जाए, लेकिन इसे तोड़ा न जाए।

**"मौलाना मोहम्मद अली जौहर जैसी महान शख्सियत, जिन्होंने देश की आजादी के आंदोलन में महात्मा गांधी के साथ असहयोग आंदोलन में हिस्सा लिया, उनके नाम पर बने शिक्षा के मंदिर को राजनीति की भेंट चढ़ाया जा रहा है।"**

## शैक्षिक भ्रमण पर आईएएस प्रशिक्षुओं ने जाना ब्रज की सांस्कृतिक विरासत और विकास कार्य

तमसा संकेत, संवाददाता

वृंदावन। वर्ष 2025 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के प्रशिक्षु महिला एवं पुरुष अधिकारियों का दल सोमवार को शैक्षिक भ्रमण के तहत गीता शोध संस्थान एवं रासलीला अकादमी, वृंदावन पहुंचा। यहां आयोजित परिचयात्मक सत्र में अधिकारियों को ब्रज की सांस्कृतिक, धार्मिक और पर्यटन गतिविधियों के साथ तीर्थ विकास से जुड़े कार्यों की विस्तृत जानकारी दी गई। गीता शोध संस्थान के समन्वयक चंद्र प्रताप सिंह सिकरवार ने बताया कि उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के सहयोग से ब्रज क्षेत्र में व्यापक जनभागीदारी के साथ स्वच्छता अभियान संचालित किया जा रहा है। इसके तहत तीर्थस्थलों, परिक्रमा मार्गों, घाटों और सार्वजनिक स्थानों की नियमित सफाई के साथ जनजा-गरूकता कार्यक्रम भी चलाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि रविवार को वृंदावन की लगभग 11 किलोमीटर लंबी परिक्रमा पर विशेष स्वच्छता महाअभियान भी चलाया गया।

उन्होंने प्रशिक्षु अधिकारियों को परिषद द्वारा श्रीकृष्ण की लीलाओं से जुड़े पौराणिक स्थलों, यमुना के प्राचीन घाटों और ऐतिहासिक कुंडों के संरक्षण, जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यी-करण के साथ श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुविधा के लिए विकसित की जा रही आधुनिक पर्यटन अवसंरचना की जानकारी भी दी। इस दौरान पांचजन्य प्रेक्षागृह, श्री स्वामी हरिदास प्रेक्षागृह तथा मुक्ताकाशीय मंचों (ओएटी) के निर्माण कार्यों पर भी प्रकाश डाला गया। अधिकारियों को बताया गया कि गीता शोध संस्थान एवं रासलीला अकादमी में रासलीला का प्रशिक्षण एवं मंचन, श्रीमद्भगवद्गीता आधारित प्रेरक कार्यक्रमों के साथ साहित्यिक और सांस्कृतिक आयोजनों का नियमित संचालन किया जाता है।

## पृष्ठ 01 का शेष...

### दिल्ली में बवाल ...

प्रदर्शनकारियों को जंतर-मंतर के बाद कनॉट प्लेस से भी खदेड़ दिया गया है। इस दौरान पुलिस ने जबरदस्त लाठीचार्ज भी किया। उधर, CJP ने पहले दावा किया था कि अभिजीत दीपके को हिरासत में ले लिया गया। लेकिन बाद में पुलिस और CJP दोनों ने इस बात से इनकार कर दिया। सोमवार सुबह 8 बजे से शुरू हुए प्रदर्शन में पुलिस के लाठीचार्ज और झड़प में कई प्रदर्शनकारी घायल हो गए। मामला तब बढ़ गया, जब आंदोलनकारी सुबह 10 बजे बैरिकेड तोड़कर पार्लियामेंट की तरफ बढ़े। इस दौरान पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की। इसके बाद प्रदर्शनकारी संसद के करीब पहुंच गए। प्रदर्शनकारियों ने संसद में घुसने की कोशिश की। इसे देखते हुए संसद की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। मेन गेट को बंद कर दिया गया। पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए आंसू गैस के गोले दागे। देर शाम तक चले हंगामे के बीच प्रदर्शन कर रहे लोगों और पुलिस के पथराव की तस्वीरें भी सामने आईं। पुलिस के एक्शन के बाद इसके बाद भीड़ तितर-बितर हो गई। जब बाहर ये हंगामा चल रहा था उस वक्त पीएम समेत सभी सांसद संसद में मौजूद थे। इस पूरे घटनाक्रम के बीच कॉकरोच जनता पार्टी के प्रतिनिधि जेपी नड्डा से मिले। इनका दावा है कि नड्डा ने उन्हें यह भरोसा दिलाया है कि जंतर-मंतर और उसके आस-पास अब कोई कार्रवाई नहीं होगी। प्रधानमंत्री मोदी भारत के इतिहास के सबसे युवा-विरोधी प्रधानमंत्री हैं। इतने युवा विरोधी कि एक नाकाम शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा भी नहीं ले सकते। 152 पेपर लीक। 7.5 करोड़ छात्र पीड़ित। और सज़ा एक दोषी को भी नहीं। सजा किसे मिली? मेहनती युवाओं को। और जब इन बच्चों ने शिक्षा के जायज़ सवाल उठाए - तो जवाब में मिली लाठी और हिरासत। लीक करने वाले अपराधी आज़ाद - और वाजिब मुद्दे उठाने वाले छात्र घसीटे जाते हैं, पीटे जाते हैं। यह सरकार सिर्फ़ युवाओं को नाकाम नहीं कर रही - उनपर टूट पड़ी है। सफदरजंग हॉस्पिटल से सोनम वांगचुक ने हाथ से लिखा संदेश भेजा है। इसे उनके X हैंडल पर शेयर किया गया है। पोस्ट में लिखा है- मैं तब तक अनशन जारी रखूंगा, जब तक युवा नेताओं को संसद भवन में सांसदों से मिलने की अनुमति नहीं मिल जाती, या फिर मुझे यहां अस्पताल में ही सांसदों से मिलने की अनुमति नहीं दी जाती। मुझे उम्मीद है कि सरकार शिक्षा मंत्री की जवाबदेही तय करेगी, उससे पहले नहीं। युवाओं ने उकसावे के बावजूद जिस तरह शांति बनाए रखी, उससे मैं बहुत प्रभावित और भावुक हूं। कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) ने सोमवार को प्रतिनिधियों के एक प्रतिनिधिमंडल के सरकार के साथ बातचीत के लिए जाने के बाद अपने मार्च को अस्थायी रूप से रोक दिया है। CJP संस्थापक अभिजीत दीपके ने घोषणा की कि बातचीत जारी रहने तक मार्च स्थगित रहेगा। मैं सरकार और पुलिस से अपील करता हूं कि इस मुद्दे का समाधान सिर्फ इतना करके करें कि आज या कल छात्रों को संसद के सामने अपनी शिकायतें रखने की अनुमति दे दें।

### राजनीति मत कीजिए ...

चढ़ावा चोरी मामले में ट्रस्टी कृष्ण मोहन ने 25 जून को FIR दर्ज कराई थी। पुलिस ने उसी दिन रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू, सुभाष चंद्र श्रीवास्तव, मनीष यादव, अनुकल्प मिश्रा, लवकुश मिश्रा, अविनाश शुक्ला, करुणेश पांडेय और रमाशंकर मिश्रा को गिरफ्तार किया था। वर्तमान में सभी फैजाबाद जेल में हैं। इन सभी पर चढ़ावा गिनती करते वक्त नोटों और गहनों की चोरी का आरोप है। उधर, SIT ने ट्रस्ट्री अनिल मिश्रा को चढ़ावा चोरी के लिए जिम्मेदार माना है। आरोप है कि उन्होंने चढ़ावा गिनती की प्रक्रिया में लापरवाही बरती। तय गाइडलाइन का पालन नहीं किया। ट्रस्ट के महासचिव रहे चंपत राय और सदस्य अनिल मिश्रा अपने पद से इस्तीफा दे चुके हैं। उनका इस्तीफा स्वीकार भी हो चुका है। सुनवाई के दौरान एक वकील ने अदालत को बताया कि मामले की जांच विशेष जांच दल (SIT) नहीं, बल्कि अयोध्या के सर्किल ऑफिसर (CO) कर रहे हैं। इस पर मुख्य न्यायाधीश (CJI) सूर्यकांत ने कहा, हम देखेंगे कि इस मामले में क्या किया जाना है। सोमवार, 27 जुलाई को इस संबंध में कुछ निर्देश जारी करेंगे। एक वकील ने कहा- सभी सबूत सुरक्षित रखे जाएं, CJI बोले- क्या हर किसी का बोलना जरूरी है सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान एक वकील ने अदालत से कहा कि मामले से जुड़े सभी सबूत, खासकर CCTV फुटेज और अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य, सुरक्षित रखे जाने चाहिए। इस पर सॉलिसिटर जनरल (SG) ने अदालत को बताया कि सभी साक्ष्यों को सुरक्षित रखा जा रहा है। इसी दौरान एक अन्य वकील ने आपत्ति जताते हुए अदालत से अपनी बात रखने की अनुमति मांगी। इस पर मुख्य न्यायाधीश (CJI) सूर्यकांत ने कहा, क्या हर किसी को बोलने की अनुमति देना जरूरी है? हम खुद इस मामले के हर पहलू पर नजर रख रहे हैं। इसके बाद वकील ने कहा कि मामले की FIR सार्वजनिक पोर्टल पर अपलोड की जानी चाहिए, लेकिन अब तक ऐसा नहीं किया गया है। साथ ही, जांच से जुड़ी स्टेटस रिपोर्ट की प्रति भी संबंधित पक्षों को उपलब्ध कराई जानी चाहिए। याचिकाकर्ताओं की तरफ से सीनियर एडवोकेट कामत ने कहा- हमने एक बड़ा मुद्दा उठाया है। यहां जो हुआ है, उसके 3 पहलू हैं। जब मंदिर बन रहा था, तो ट्रस्ट ने हर भक्त से चंदा मांगा था। रसीदें भी थीं। पैसा मंदिर तक नहीं पहुंचा। एक सुझाव यह है कि ट्रस्ट के पास जो भी रसीदें हैं, उन्हें वेबसाइट पर सार्वजनिक किया जाए। लोगों को पता चलना चाहिए कि उनका पैसा पहुंचा है या नहीं।

### बेटियों को परेशान...

उन्होंने समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा- पहले सरकारों की प्राथमिकता धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों का विकास नहीं थी। पहले सरकारी पैसा कब्रिस्तानों की बाउंड्रीवाल बनाने में खर्च किया जाता था, जबकि मंदिरों और ऐतिहासिक धरोहरों की अनदेखी होती थी। योगी दरियाबाद विधानसभा में 550 करोड़ की 82 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास करने के बाद जनसभा को संबोधित कर रहे थे। सीएम रामनगर स्थित लोधेश्वर महादेव धाम भी गए। शिवलिंग पर जलाभिषेक कर पूजा-अर्चना की। लोधेश्वर महादेव कॉरिडोर की आधारशिला रखी। योगी ने कहा- बाराबंकी केवल एक जिला नहीं, बल्कि बलिदान, राष्ट्रभक्ति और गौरवशाली परंपरा की धरती है। राजा बलभद्र सिंह, हॉकी के महान खिलाड़ी केडी सिंह बाबू और फ्लाइट लेफ्टिनेंट शंकर दयाल बाजपेई जैसी विभूतियां इस पावन भूमि से आई थीं। उन्होंने देश के लिए सबकुछ समर्पित कर दिया। सीएम योगी ने कहा- सोमवार के दिन भगवान लोधेश्वर महादेव के दर्शन कर बहुत खुशी हो रही है। यह मंदिर सदियों पुरानी आस्था का केंद्र है, जहां प्रदेश के कई जिलों से श्रद्धालु आते हैं, लेकिन वर्षों तक इसकी उपेक्षा होती रही। आजादी के बाद भी मंदिर के विकास पर ध्यान नहीं दिया गया, जबकि अन्य कामों पर पैसा खर्च होता था। राजा बलभद्र सिंह जलेरी के बलिदान का जिक्र करते हुए योगी ने कहा- उन्होंने सिर्फ 18 साल की उम्र में अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष किया। हमने बहराइच में महाराजा सुहेलदेव स्मारक और कॉरिडोर का निर्माण कराया। साथ ही वीरांगना ऊदा देवी पासी, झलकारी बाई और अवंतीबाई लोधी के नाम पर सुरक्षा बलों की बटालियन बनाई। योगी ने कहा- 9 साल पहले उत्तर प्रदेश के लोगों को दूसरे राज्यों में संदेह की नजर से देखा जाता था, लेकिन आज यदि कोई खुद को उत्तर प्रदेश या बाराबंकी का निवासी बताता है तो उसे सम्मान मिलता है। प्रदेश की बदली हुई कानून-व्यवस्था और विकास ने यह बदलाव संभव किया है। पहले की सरकारें भ्रष्टाचार में डूबी हुई थीं। हमने पूर्वांचल एक्सप्रेसवे का निर्माण कम लागत में पूरा कराया। उन्होंने कहा- पहले जहां परियो-जनाओं की लागत बढ़ाकर सरकारी धन की लूट की जाती थी। अब वही पैसा गरीबों के आवास, छात्रवृत्ति, किसान सम्मान निधि, पेंशन, स्वास्थ्य बीमा और विकास कार्यों में खर्च हो रहा है।

## फाइनल में अर्जेंटीना को 1-0 से हराया, फेरन टोरेस ने एक्स्ट्रा टाइम में गोल दागा

# स्पेन ने 16 साल बाद फुटबॉल वर्ल्ड कप जीता

**उत्साह**

न्यूयॉर्क, एजेंसी

स्पेन ने 16 साल बाद फुटबॉल वर्ल्ड कप का खिताब जीत लिया। उसने न्यूयॉर्क के न्यू जर्सी स्टेडियम में खेले गए फाइनल में 2022 की चैंपियन अर्जेंटीना को 1-0 से हराया। स्पेन के लिए फेरन टोरेस ने एक्स्ट्रा टाइम में गोल किया। स्पेन दूसरी बार फीफा वर्ल्ड चैंपियन बना है। उसने पहली बार 2010 में नीदरलैंड को हराकर यह ट्रॉफी जीती थी। अर्जेंटीना 90 मिनट तक किसी तरह मुकाबले में बनी रही। ऐसा लगा कि टीम मैच को पेनल्टी शूटआउट तक ले जाना चाहती थी, लेकिन इंजरी टाइम में एंजो फर्नांडिज ने ऐसी गलती कर दी, जिसने पूरी बाजी पलट दी। पाउ क्यूबार्सी पर

टैकल के बाद रेफरी ने एंजो को दूसरा यलो कार्ड दिखाया। यह उनका मैच का दूसरा यलो कार्ड था। इस तरह उनके दो यलो कार्ड, रेड कार्ड में कन्वर्ट हो गए। उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा और अर्जेंटीना 10 खिलाड़ियों के साथ रह गई। इसके बाद स्पेन ने गेंद पर और ज्यादा कब्जा जमा लिया। 103वें मिनट में निको विलियम्स ने ऐसा क्रॉस डाला, जिसे देखकर स्पेनिश फैंस जश्न मनाने को तैयार हो गए थे। मिकेल मेरिनो को लगभग खाली गोल मिला, लेकिन उनका हेडर बाहर चला गया।

तीन मिनट बाद वही निको विलियम्स फिर बाएं फ्लैंक से पहुंचे। इस बार उन्होंने बैक पोस्ट पर हेडर से गेंद फेरन टोरेस के सामने गिराई। फेरन टोरेस ने बिना एक पल गंवाए

> **स्पेन की पहचान हमेशा से गेंद पर नियंत्रण रखने वाली टीम की रही है। इस फाइनल में भी वही अंदाज दिखा। रोड्री ने मिडफील्ड में पूरे मैच की रफ्तार तय की। अर्जेंटीना को काउंटर अटैक का मौका ही नहीं मिला। स्पेन ने करीब 65% समय गेंद अपने पास रखी।**

दाएं पैर से ऐसा शॉट लगाया कि गेंद सीधे नेट में जा समाई। यह फाइनल एक तरह से दो पीढ़ियों का मुकाबला भी था। एक तरफ 39 साल के लियोनेल मेसी थे, दूसरी ओर 20 साल के लामिन यमाल। मेसी से उम्मीद थी कि वे एक बार फिर बड़े मैच में कमाल कर दिखाएंगे, लेकिन स्पेन की मिडफील्ड

### मार्टिनेज ने 105 मिनट तक अकेले लड़ाई लड़ी

अगर यह मुकाबला 105 मिनट तक बराबरी पर रहा तो इसकी सबसे बड़ी वजह अर्जेंटीना के गोलकीपर एमिलियानो मार्टिनेज थे। स्पेन पूरे मैच में लगातार अटैक करता रहा। कभी लामिन यमाल ने बॉक्स के बाहर से शॉट लगाया, कभी ओयारजबाल ने मौका बनाया तो कभी पेड्री और निको विलियम्स गोल के करीब पहुंचे। हर बार मार्टिनेज ने खुद को गेंद और गोलपोस्ट के बीच खड़ा कर दिया।

लगभग अकेले लड़ रहे मार्टिनेज की दीवार आखिरकार 106ठे मिनट में ढह गई। निको विलियम्स का हेडर फेरन टोरेस तक पहुंचा, जिन्होंने बॉल गोलपोस्ट में डाल दिया। इस तरह स्पेन 1-0 से आगे हो गया।

और डिफेंस ने उन्हें कभी खुलकर खेलने का मौका ही नहीं दिया।

## बांग्लादेश ने बेहद रोमांचक मुकाबले में जिम्बाब्वे को हराया

### टी20आई सीरीज को भी किया अपने नाम

नई दिल्ली, एजेंसी

जिम्बाब्वे के खिलाफ बुलावायो में खेले गए तीसरे टी20 मैच में बांग्लादेश ने जीत हासिल कर ली। इसी के साथ मेजबान टीम ने सीरीज को भी अपने नाम कर लिया। बांग्लादेश को इस दौरे पर अब तक एकमात्र टेस्ट मैच और वनडे सीरीज में हार का सामना करना पड़ा था। हालांकि, बांग्लादेशी टीम ने टी20 सीरीज में जीत के साथ दौरे का अंत अच्छी यादों के साथ किया है।

दोनों टीमों के बीच बेहद रोमांचक मुकाबला खेला गया। बांग्लादेश ने टी20 सीरीज में जबरदस्त वापसी की है क्योंकि टेस्ट और वनडे सीरीज में हार के बाद पहले टी20 मैच में भी शिकस्त मिली थी। ऐसे में उन्होंने सीरीज में वापसी की और आखिरी दो मैचों में जीत हासिल कर सीरीज को अपने नाम कर लिया।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी जिम्बाब्वे की बल्लेबाजी मैच में कुछ खास नहीं कर सकी। टीम ने पहले बैटिंग करते हुए 7 विकेट के नुकसान पर 143 रन बनाए। जिम्बाब्वे की शुरुआत कुछ खास नहीं रही थी और 6 रनों पर ही पहला विकेट गंवा दिया था। टीम के लिए 9 बल्लेबाज बैटिंग करने के लिए आए और सिर्फ दो बैटर्स ही दहाई का आंकड़ा छू सके। सलामी बल्लेबाज ब्रायन बेनेट ने 38 गेंदों पर 47 रनों की पारी खेली। डायोन मायर्स ने कमाल की बैटिंग की और 53 गेंदों पर 73 रनों की पारी खेली। इस दौरान उनके बल्ले से 7 चौके और 2 छक्के निकले।

## रोहित शर्मा के ऐतिहासिक शतक के बावजूद हारी टीम इंडिया

### इंग्लैंड वन-डे सीरीज का बना 'बादशाह'

नई दिल्ली, एजेंसी

रोहित शर्मा के ऐतिहासिक शतक के बावजूद इंग्लैंड ने लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे वनडे मैच में जीत हासिल कर ली है। इस जीत के साथ उन्होंने वनडे सीरीज को अपने नाम कर लिया है। मैच में इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 387 रनों का पहाड़ जैसा स्कोर खड़ा किया था, जिसे टीम इंडिया हासिल नहीं कर सकी। इंग्लिश टीम के लिए बेन डकेट ने कमाल की बैटिंग की और शतक लगाया। उन्होंने 141 रनों की पारी खेली। इसके बाद अंतिम ओवरों में जोस बटलर ने तेजी से रन बनाए। उन्होंने 13 गेंदों पर नाबाद 41 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेली। उनकी पारी की वजह से ही मेजबान टीम ने 387 रनों का स्कोर खड़ा कर किया। इंग्लैंड की ओर से ओपनर बेन डकेट (141) ने ताबड़तोड़ शतक जड़ा तो इंग्लैंड की बल्लेबाजी की रीढ़ जो रूट

(74*) और जैकब बेथेल (91) ने अर्धशतक जड़े, जिससे मेजबान टीम ने तीन विकेट पर 387 रन का विशाल स्कोर खड़ा कर डाला। ये वनडे में भारत के विरुद्ध इंग्लैंड का सर्वोच्च स्कोर है। इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। बुमराह की अनुपस्थिति में भारत चार तेज गेंदबाज और एक स्पिन आलराउंडर अक्षर पटेल के साथ उतरा। प्रसिद्ध, अर्शदीप सिंह, प्रिंस यादव और गुरनूर बराड़ के पास कुल मिलाकर सिर्फ 51 वनडे मैचों का अनुभव था। इंग्लैंड की मजबूत और लय में चल रही बल्लेबाजी के सामने अनुभव और कौशल की यह कमी साफ दिखाई दी। बुमराह की गैरमौजूदगी में भारतीय गेंदबाज न तो लगातार सही लाइन-लेंथ बनाए रख सके और न ही बल्लेबाजों पर दबाव बना पाए। पहले 10 ओवर में इंग्लैंड ने 58 रन बनाए, लेकिन इसके बाद 11वें से 30वें ओवर के बीच भारतीय गेंदबाज पूरी तरह मैच से बाहर हो गए। डकेट और बेथेल ने इस दौरान हर ढीली गेंद की सजा दी और रनगति लगातार बढ़ाते रहे। बेथेल ने सिर्फ 51 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया, जबकि 16वें ओवर तक इंग्लैंड का स्कोर 100 रन के पार पहुंच चुका था।

### रोहित शर्मा लॉर्ड्स में शतक ठोकने वाले बने पहले भारतीय

नई दिल्ली। रोहित शर्मा ने इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में खेलते हुए 84 गेंदों पर शतक जड़ दिया। उन्होंने इस शतक के इतिहास रच दिया है। रोहित पहले दो मैचों में बड़ी पारी नहीं खेल सके थे और इसके बाद उन्होंने लॉर्ड्स में अपना दम दिखाया और शतक ठोक दिया। रोहित का वनडे में ये 34वां शतक है।

रोहित ने आखिरी बार वनडे में कोई शतक ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अक्टूबर 2025 में लगाया था। इसके बाद वे वनडे में शतक नहीं लगा सके थे और उनकी फॉर्म पर लगातार सवाल खड़े हो रहे थे। ऐसे में उन्होंने लॉर्ड्स में शतक लगाकर आलोचकों को भी करारा जवाब दिया है। इस शतक के साथ उन्होंने पूर्व महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड को ध्वस्त कर दिया है। रोहित शर्मा ने शतक लगाकर इतिहास रच दिया है। वे लॉर्ड्स के मैदान पर वनडे में शतक लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं।

### 13 महीने पहले इंस्टाग्राम पर लिखा- 19 जुलाई 2026, अब बोले- यह पहले से तय था

## दावा : पेड्री ने स्पेन की जीत की भविष्यवाणी की थी

नई दिल्ली। स्पेन ने फुटबॉल वर्ल्ड कप जीत लिया है। उसने रविवार रात को न्यूयॉर्क के न्यू जर्सी स्टेडियम में अर्जेंटीना को 1-0 से हराया। टीम दूसरी बार वर्ल्ड चैंपियन बनी है।

23 साल के स्पेनिश मिडफील्डर पेड्री ने सोशल प्लेटफॉर्म X पर दावा किया कि उन्होंने इस जीत की भविष्यवाणी 13 महीने पहले कर दी थी। पेड्री ने ट्रॉफी चूमते हुए फोटो पोस्ट की और लिखा- 'यह पहले से लिखा था! 190726... वह दिन, जब पूरे देश का सपना सच हुआ। वह दिन, जब हम वर्ल्ड चैंपियन बने।' दरअसल, 10 जून 2025 को पेड्री ने इंस्टाग्राम पर सिर्फ '190726' पोस्ट किया था। उस समय इसका कोई मतलब स्पष्ट नहीं था। अब फैंस ने इसे 19 जुलाई

2026, यानी फीफा वर्ल्ड कप फाइनल की तारीख से जोड़कर देखा, जिस दिन स्पेन ने खिताब जीत लिया।

पेड्री ने पूरे टूर्नामेंट में स्पेन के लिए हर मैच खेला। मिडफील्ड में उनके नियंत्रण, रचनात्मक खेल और संयम ने कोच लुइस डे ला फुएंते की टीम को लगातार सफलता दिलाई।

इस जीत के साथ स्पेन ने 2010 के बाद पहली बार फीफा वर्ल्ड कप का खिताब जीता। साथ ही कोच लुइस डे ला फुएंते के नेतृत्व में टीम ने अपना लगातार 38वां अंतरराष्ट्रीय मैच बिना हार के पूरा किया, जो किसी भी यूरोपीय टीम का रिकॉर्ड है।

### एक्स्ट्रा टाइम में टूटा अर्जेंटीना का सपना

न्यू जर्सी के मेटलाइफ स्टेडियम में खेला गया फाइनल 90 मिनट तक गोलरहित रहा। अर्जेंटीना के गोलकीपर एमिलियानो मार्टिनेज ने कई शानदार बचाव किए, जबकि इंजरी टाइम में एंजो फर्नांडेज़ दूसरे पीले कार्ड के बाद बाहर हो गए और टीम 10 खिलाड़ियों के साथ रह गई। एक्स्ट्रा टाइम में स्पेन को पहले निको विलियम्स के गोल से बढ़त मिलती दिखी, लेकिन फाउल के कारण गोल रद्द कर दिया गया। आखिरकार 106वें मिनट में निको विलियम्स के हेडर पर फेरान टोरेस ने जोरदार शॉट लगाकर गेंद जाल में पहुंचाई और स्पेन को 1-0 की ऐतिहासिक जीत दिला दी।

**मनोरंजन**

## गानों की रॉयल्टी पर मचा बवाल, विवाद में कूदे अमाल मलिक

# सैयारा के लिए वाईआरएफ ने तनिष्क बागची को नहीं दिए पैसे?

नई दिल्ली, एजेंसी

2025 की सुपरहिट फिल्म सैयारा (Saiyaara) के गाने भी चार्टबस्टर लिस्ट में टॉप पर रहे। फिल्म के कई गानों की धुन तनिष्क बागची (Tanishk Bagchi) ने तैयार किए। हाल ही में, सिंगर और कंपोजर ने फिल्म की एनिवर्सरी पर दावा किया कि उन्हें टाइटल ट्रैक के लिए 8 लाख रुपये की रॉयल्टी नहीं मिली है।

तनिष्क बागची का पोस्ट इंटरनेट पर वायरल हो गया और चर्चा का विषय बन गया। इसके बाद यश राज फिल्म्स (YRF) ने एक

ऑफिशियल स्टेटमेंट के जरिए इन दावों पर रिएक्शन दिया है।

टाइटल ट्रैक की रॉयल्टी YRF द्वारा तीनों कंपोजर्स के बीच बराबर बांटी गई है और आगे भी बांटी जाती रहेगी, जैसा कि तनिष्क सहित सभी ने कॉन्ट्रैक्ट में तय किया था। YRF ने कॉन्ट्रैक्ट के मुताबिक, आपसी सहमति वाली शर्तों और समय-सीमा के अंदर सबको भुगतान कर दिया है।ह जैसे ही फिल्म मेकर्स ने सफाई दी, तनिष्क बागची ने अपना पोस्ट डिलीट कर दिया। अब इस मुद्दे पर सिंगर अमाल मलिक भी कूद पड़े हैं। सिंगर ने बिना किसी का नाम लिए कहा गया कि वह 10 सालों से अकेले सिस्टम से लड़ रहे हैं। उन्होंने एक्स हैंडल पर लिखा, म्यूजिक इंडस्ट्री के लोग

### तनिष्क बागची के दावे पर मेकर्स का रिएक्शन

मेकर्स की तरफ से कहा गया है कि सारी पेमेंट पहले ही कर दी गई है। YRF के ऑफिशियल स्टेटमेंट में कहा गया, ₹सैयारा टाइटल ट्रैक तीन कंपोजर्स (तनिष्क बागची, फहीम अब्दुल्ला और अर्सलान निजामी) के बीच एक शानदार सहयोग था। हम उनके बेहतरीन काम के लिए बहुत आभारी हैं कि उन्होंने एक ऐसा सदाबहार गाना बनाया जिसने लाखों लोगों के दिलों को छू लिया।

10 साल की देरी से जाग रहे हैं। जब मैं अकेले सिस्टम से लड़ रहा था, तब आप कहां

## आवारापन 2 के लिए अरिजीत सिंह ने रिटायरमेंट से लिया यू-टर्न

नई दिल्ली। हिंदी सिनेमा के मशहूर गायक अरिजीत सिंह का नाम अक्सर चर्चा में बना रहता है। इस साल की शुरुआत में प्लेबैक सिंगिंग से रिटायरमेंट का एलान करने के बाद भी वह शोबिज की दुनिया में छाए रहते हैं। लेकिन फिलहाल जो खबर सामने आ रही है, उससे यकीनन अरिजीत के फैंस के चेहरे खिल जाएंगे। बताया जा रहा है कि अरिजीत सिंह ने अभिनेता इमरान हाशमी की अपकमिंग फिल्म आवारापन 2 (Awarapan 2) का एक सैड सॉन्ग गाया है, जिसे मेकर्स जल्द ही रिलीज कर सकते हैं।इमरान हाशमी की फिल्म आवारापन भले ही फ्लॉप रही थी, लेकिन अपने शानदार गीतों की वजह से ये कल्ट फिल्म बनी है। ऐसे में आवारापन 2 के लिए भी मेकर्स गानों में पूरी जान लगा रहे हैं। खासतौर पर निर्माता विशेष भट्ट आवारापन 2 के सभी गानों को लोकप्रिय बनाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते। पिंकविला की रिपोर्ट में अब ये दावा किया जा रहा है कि विशेष ने स्पेशली अरिजीत सिंह से निवेदन किया है कि वह आवारापन 2 का टाइटल सॉन्ग ये आवारापन... (Ye Awarapan) गाएं और प्लेबैक सिंगिंग से संन्यास लेने वाले अरिजीत ने ऐसा किया भी है ।

## 10 सालों से फिल्मों में काम के लिए तरस रही हैं अर्चना पूरन सिंह

### टोस्टर फिल्म में दिखीं अर्चना पूरन सिंह बड़े पर्दे के लिए नहीं मिल रहा अच्छा रोल

नई दिल्ली। सिनेमा की वेटरन एक्ट्रेस के तौर पर अर्चना पूरन सिंह को जाना जाता है। कॉमेडी शो द ग्रेट इंडियन कपिल शो की जज के तौर पर सुर्खियां बटोरने वालीं अर्चना बीते समय से मूवीज में काम न मिलने को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं।

एक बार फिर से अर्चना पूरन सिंह ने इस मामले पर बात की है और बताया है कि ओटीटी फिल्म टोस्टर के बाद भी उन्हें अच्छे रोल के ऑफर नहीं मिल रहे हैं। आइए जानते हैं कि अर्चना ने क्या कहा है-

हाल ही में अर्चना पूरन सिंह ने न्यूज 18 को एक लेटेस्ट इंटरव्यू दिया है और इस दौरान उन्होंने बड़े पर्दे पर वापसी को लेकर अपनी इच्छा जाहिर की है। अर्चना ने बताया है-मेरे पास कई ब्रांड एंडोर्समेंट के ऑफर आते हैं, लेकिन बात जब फिल्मों के ऑफर की हो तो ऐसा नहीं होता है। सबको लगा की टोस्टर के बाद मेरे पास मूवीज के ऑफर की लाइन लग जाएगी, लेकिन ऐसा बिल्कुल भी नहीं है। पिछले दिनों मेरे पास एक मूवी का ऑफर आया तो था, लेकिन मैंने उसे रिजेक्ट कर दिया क्योंकि मुझे वह किरदार पसंद नहीं आया। सच बताऊं तो फिल्म बोल बच्चन में मेरा किरदार अहम रहा और उसकी प्रशंसा भी काफी हुई। कई ट्रेड एनालिस्ट का फोन आया कि मेरे पास अब मूवीज की बाढ़ आएगी। लेकिन 10 सालों से अधिक समय बीत गया है, मेरा पास किसी फिल्म का अच्छा रोल नहीं आया है। हमारी इंडस्ट्री इस मामले में बेहद अजीब है। मालूम हो कि निर्देशक रोहित शेट्टी की कॉमेडी ड्रामा फिल्म बोल बच्चन को साल 2012 में रिलीज किया गया था, जिसमें अभिषेक बच्चन और अजय देवगन ने अहम भूमिकाओं को निभाया।

## सलमान ने देर रात तस्वीरें शेयर कीं

### हेल्थ को लेकर चिंता के बीच पूछा- आप लोगों की तबीयत कैसी है, नए वीडियो में भी थके दिखे

मुंबई। मुंबई में एक इवेंट के दौरान सलमान खान का नया लुक चर्चा में आया, जहां वे पहले से काफी दुबले नजर आए। इसके बाद फैंस उनकी सेहत को लेकर चिंता जताने लगे और कुछ लोगों ने उन्हें ट्रोल भी किया।

इसी बीच रविवार देर रात सलमान ने X पर अपनी नई ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा, 'आप लोगों की तबीयत कैसी है?' सलमान ने तस्वीरें शेयर की हैं, उनमें वह वायरल वीडियो की तुलना में काफी बेहतर और फिट नजर आ रहे हैं। वहीं, इस बीच सलमान का एक और वीडियो सामने आया। जिसमें वे अपने वायरल वीडियो की तुलना में थोड़ा बेहतर लग रहे हैं। हालांकि, उनकी आंखों के आसपास हल्की थकान दिखाई दे रही है।

सलमान के लुक और सेहत को लेकर फैंस ने चिंता जताई थी। एक यूजर ने लिखा कि वे बीमार लग रहे हैं, भगवान उन्हें ठीक रखे। एक दूसरे यूजर ने कमेंट किया कि उन्हें कोई हेल्थ इश्यू लग रहा है, क्योंकि वे ठीक से चल भी नहीं पा रहे हैं। एक अन्य फैन ने लिखा कि उनकी आंखों में

थकान साफ दिख रही है। फिल्मों में अकेले 50 लोगों से लड़ने वाले भाई का औरा इस वक्त गायब लग रहा है।

हालांकि, कुछ लोगों ने सलमान का सपोर्ट भी किया। एक यूजर ने लिखा कि बॉलीवुड के स्टार्स अपनी कमियों को छिपाने के लिए किसी भी हद तक जाते हैं, लेकिन सलमान ने बिना किसी झिझक के कैमरे के सामने अपनी असली उम्र को स्वीकार किया है। इसके लिए उनकी तारीफ होनी चाहिए।

सलमान खान जल्द फिल्म 'मातृभूमिः मे वॉर रेस्ट इन पीस' में नजर आएंगे। पिछले दिनों अफवाह सामने आई थी कि सेंसर बोर्ड ने फिल्म 'मातृभूमिः मे वॉर रेस्ट इन पीस' को सर्टिफिकेट देने पर फिलहाल रोक लगा दी है।

### एसआरए के इवेंट में पहुंचे थे सलमान खान

दरअसल, सलमान खान शुक्रवार को मुंबई के स्लम रिहैबिलिटेशन अथॉरिटी (SRA) के दफ्तर में एक खास कार्यक्रम के सिलसिले में गए थे। वहां उन्होंने अथॉरिटी के नए डेटा कलेक्शन एंड वेरिफिकेशन सपोर्ट सेंटर (आईटी सर्वर रूम) का उद्घाटन किया।

इस दौरान उन्होंने वहां मौजूद लाभार्थियों को उनके नए घरों की चाबियां भी सौंपीं। कार्यक्रम के दौरान सलमान खान के साथ उनके बॉडीगार्ड शेरा भी मौजूद थे। इस इवेंट के कई वीडियो इंटरनेट पर सामने आए, जिसके बाद उनकी फिजिकल कंडीशन को लेकर चर्चा शुरू हो गई।

## अमेरिका में 150 साल में पहली बार ऐसा हुआ

# जेडी वेंस उपराष्ट्रपति रहते हुए चौथे बच्चे के पिता बने

**खुशखबरी**

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और उनकी पत्नी उषा वेंस के घर चौथे बच्चे का जन्म हुआ है। 19 जुलाई की सुबह उनके बेटे एलक नील वेंस का जन्म हुआ। 150 साल से ज्यादा समय बाद ऐसा पहली बार हुआ है, जब किसी मौजूदा अमेरिकी उपराष्ट्रपति के कार्यकाल के दौरान उनके घर बच्चे का जन्म हुआ।

टाइम मैगजीन के मुताबिक, इससे पहले ऐसा 1870 में हुआ था। उस समय राष्ट्रपति यूलिसिस एस. ग्रांट के कार्यकाल में उपराष्ट्रपति शायलर कोलफैक्स की पत्नी एलन कोलफैक्स ने बेटे शायलर कोलफैक्स तृतीय को जन्म दिया था। जेडी वेंस ने सोशल मीडिया पर चौथे बच्चे की खुशखबरी साझा करते हुए लिखा,उषा और बच्चा दोनों स्वस्थ हैं। हमारे तीनों बच्चे अपने छोटे भाई से मिलकर बेहद खुश हैं। एलक नील वेंस, जेडी और उषा वेंस की चौथी संतान हैं। उनसे पहले उनके तीन बच्चे इवान (9 वर्ष), विवेक (6 वर्ष) और मिराबेल (4 वर्ष) हैं।

अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और उनकी पत्नी उषा वेंस व्हाइट हाउस के ईस्ट रूम में आयोजित एक कार्यक्रम में पहुंचते हुए। तस्वीर 3 मई 2026 की है।

> **वेंस लिखते हैं कि एरिका ने रोते हुए उषा से कहा कि उन्हें अफसोस है कि उनके और चार्ली के केवल दो ही बच्चे थे। इस बातचीत का उषा पर गहरा असर पड़ा और कुछ समय बाद उन्होंने चौथे बच्चे के लिए हामी भर दी।**

उषा वेंस का जन्म और पालन-पोषण कैलिफोर्निया के सैन डिएगो में हुआ। उनके माता-पिता भारत से अमेरिका जाकर बसे थे। उनके पिता मैकेनिकल इंजीनियर हैं, जबकि मां मॉलिक्यूलर बायोलॉजिस्ट हैं। उषा और जेडी वेंस की मुलाकात 2010 में येल लॉ स्कूल में पढ़ाई के दौरान हुई थी। बाद में दोनों ने शादी की। इस साल मिशिगन में व्हाइट हाउस के एक कार्यक्रम में जेडी वेंस ने मजाकिया अंदाज में बताया था कि उन्होंने उषा को चौथे बच्चे के लिए कैसे राजी किया। उन्होंने कहा कि उपराष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ने से पहले उन्होंने उषा से कहा था, मैं चौथा बच्चा चाहता हूं। इस पर उषा ने जवाब दिया, ठीक है, लेकिन तुम्हें अमेरिका का उपराष्ट्रपति बनना है या चौथा बच्चा चाहिए, दोनों एक साथ नहीं मिल सकते।

### ज्यादा बच्चों के पक्षधर हैं वेंस

### ज्यादा बच्चों के पक्षधर रहे हैं वेंस

जेडी वेंस ट्रम्प सरकार के उन प्रमुख नेताओं में रहे हैं, जो अमेरिका में जन्मदर बढ़ाने की वकालत करते रहे हैं। उनका मानना है कि अमेरिका में गिरती जन्मदर भविष्य के लिए बड़ी चुनौती है। इसी वजह से उन्होंने टैक्स छूट, परिवारों के लिए आर्थिक मदद और बच्चों वाले परिवारों को अधिक समर्थन देने जैसी नीतियों की पैरवी की है।

अपनी हाल ही में रिलीज हुई किताब कम्युनियन में वेंस ने अपनी निजी जिंदगी का भी जिक्र किया है। उन्होंने लिखा कि वे कई साल से पत्नी उषा वेंस से चौथा बच्चा करने की बात कहते रहे, लेकिन उषा का मानना था कि तीन बच्चों के बाद उनका परिवार पूरा हो चुका है। सार्वजनिक जीवन में आने के बाद वह चौथा बच्चा नहीं चाहती थीं।

## अमेरिका में 38 साल पहले अस्पताल में बदल गए थे बच्चे

### अब डीएनए टेस्ट से हुआ खुलासा हॉस्पिटल पर केस

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के कोलोराडो सिटी में 38 साल पहले जन्म के समय दो बच्चों की अदला-बदली का मामला सामने आया है। DNA टेस्ट से पता चला कि नॉर्थ डकोटा के एक अस्पताल में 26 जनवरी 1988 को पैदा हुए दो बच्चों को गलती से बदल दिया गया था। अब दोनों परिवार यूनिटी मेडिकल सेंटर पर केस कर रहे हैं। परिवार आरोप लगा रहे हैं कि अस्पताल की लापरवाही की वजह से उनसे वह जिंदगी छिन गई जो उन्हें जीनी चाहिए थी।

मामले का खुलासा तब हुआ जब काइल बाइलिन ने क्रिसमस पर गिफ्ट एक्सचेंज के दौरान रैंडमली घर पर किया जाने वाला DNA टेस्ट करवाया। टेस्ट के बाद उन्हें एक अपनी बायोलॉजिकल आंटी के बारे में जानकारी मिली। इसके के बाद आंटी के भतीजे जेरेमी मॉरिमन ने भी टेस्ट करवाया। जब टेस्ट का नतीजा आया तो दोनों हैरान रह गए। मॉरिसन को यकीन तब हुआ जब उन्होंने बाइलिन के भाई की फोटो देखी और पाया कि दोनों बिल्कुल एक जैसी ही दिखते हैं।

कोर्ट में दायर याचिका के मुताबिक, बाइलिन और मॉरिसन ही वे दो बच्चों है जिनका जन्म 1988 में ग्राफ्टन के यूनिटी मेडिकल सेंटर में हुआ था। किसी कारण वे गलत माता-पिता के साथ घर चले गए। बाइलिन के पास आज भी अस्पताल का वह ब्रेसलेट है जिसमें उनका नाम गलती से काइल बाइलिन लिखा था। DNA रिपोर्ट के बाद दोनों के परिवारों की दुनिया बदल गई।

**फास्ट न्यूज**

### मुश्किल में इमरान खान की बहन

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की एंटी-साइबरक्राइम एजेंसी ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की बहन नूरीन नियाजी को समन भेजा है। उन पर आरोप है कि उन्होंने देश की सरकारी संस्थानों को बदमान करने और झूठी बातें फैलाने के लिए सोशल मीडिया पर गलत, अपमानजनक और भड़काऊ कंटेंट शेयर किया।

यह समन नियाजी के एक इंटरव्यू के सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद भेजा गया है।

### हिटलर की जन्मस्थली पर पुलिस स्टेशन खोलने का फैसला

वियना। ऑस्ट्रिया सरकार उस इमारत में पुलिस स्टेशन खोलने जा रही है जहां 1889 में जर्मन तानाशाह एडॉल्फ हिटलर का जन्म हुआ था। इसका उद्देश्य दशकों से चली आ रही इस बहस को खत्म करना है कि इस जगह को दूर-दराज चरमपंथियों के लिए तीर्थस्थल बनने से कैसे रोका जाए।

जर्मनी की सीमा पर साल्जबर्ग के उत्तर में ब्रौनौ एम इन शहर में स्थित साल्जबर्गर वोरस्टेड 15 नाम की यह 17वीं शताब्दी की इमारत अब सरकार द्वारा राष्ट्रीयकृत की जा चुकी है।

### अमेरिका के एरिजोना में हमलावर ने की गोलीबारी

वाशिंगटन। अमेरिका के एरिजोना स्थित टक्सन शहर के डाउनटाउन से गोलीबारी की खबर सामने आ रही है। जहां रविवार तड़के एक भीड़भाड़ वाले क्षेत्र में दो गुटों की झड़प के बाद एक हमलावर ने गोलीबारी कर दी। इस गोलीबारी में कम से कम 9 लोग घायल हो गए।

घटना के बाद सभी घायलों और संदिग्ध को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

## अमेरिका-ईरान तनाव से ब्रेंट क्रूड 90 डॉलर पार

### एक हफ्ते में 16% बढ़ा भारत में महंगाई का खतरा

नई दिल्ली, एजेंसी

ग्लोबल मार्केट में कच्चे तेल की कीमतों में एक बार फिर तेजी देखी जा रही है। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के कारण ब्रेंट क्रूड ऑयल आज 90 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया।

तेल की बढ़ती कीमतों ने भारत में महंगाई और एनर्जी शॉक के जोखिम को बढ़ा दिया है। इससे भारतीय रुपए और विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (FPI) के फ्लो पर असर पड़ने की संभावना है।

दूसरी ओर, कच्चे तेल के महंगे होने से भारत की ऑइल मार्केटिंग कंपनियों (OMCs) के रिटेल फ्यूल मार्जिन पर भारी दबाव पड़ा है, जिससे डीजल पर कंपनियों को प्रति लीटर 20.4 रुपए का घाटा हो रहा है। हालांकि, रिफाइनिंग मार्जिन में भारी उछाल के कारण कंपनियों का ओवरऑल मुनाफा फिलहाल संभला हुआ है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड फ्यूचर्स 2.69 डॉलर (3.05%) बढ़कर 90.79 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया, जो 11 जून के बाद का उच्चतम स्तर है। बीते एक हफ्ते में ब्रेंट क्रूड में 16% की तेजी आई है, जो अप्रैल के बाद किसी एक हफ्ते की सबसे बड़ी बढ़त है।

अभी ब्रेंट क्रूड 88.43 डॉलर प्रति बैरल और अमेरिकी WTI क्रूड 82.40 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था।

## एंडी बर्नहैम ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री बने

### 10 साल में सातवें पीएम, पाकिस्तानी मूल की शबाना महमूद वित्त मंत्री बन सकती हैं

लंदन, एजेंसी

ब्रिटेन में सोमवार को एंडी बर्नहैम ने नए प्रधानमंत्री के रूप में कार्यभार संभाल लिया। वह पिछले 10 साल में ब्रिटेन के सातवें प्रधानमंत्री बने हैं।

उन्होंने देश की राजनीतिक और प्रशासनिक व्यवस्था में बड़े बदलाव का वादा करते हुए कहा है कि उनकी सरकार लोगों की रोजमर्रा की समस्याओं, जैसे महंगाई और खराब सार्वजनिक सेवाओं पर सबसे ज्यादा ध्यान देगी। पूर्व प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने 10 डाउनिंग स्ट्रीट के बाहर विदाई भाषण देने के बाद किंग चार्ल्स को अपना इस्तीफा सौंपा। इसके बाद ग्रेटर मैनचेस्टर के पूर्व मेयर एंडी बर्नहैम ने किंग से मुलाकात की और औपचारिक रूप से प्रधानमंत्री पद की जिम्मेदारी संभाली। 56 वर्षीय बर्नहैम ऐसे समय सत्ता में आए हैं, जब ब्रिटेन कई चुनौतियों से जूझ रहा है। इनमें धीमी आर्थिक वृद्धि, खराब प्रदर्शन करने वाली सार्वजनिक सेवाएं और बुनियादी सुविधाओं की समस्याएं प्रमुख हैं। सरकार संभालने के साथ ही उन्हें अपनी नई कैबिनेट का भी गठन करना है।

एंडी बर्नहैम ने सोमवार को ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री की शपथ ली है। उन्होंने कीर स्टार्मर की जगह ली है।

### नई कैबिनेट पहली चुनौती होगी

प्रधानमंत्री बनने के बाद बर्नहैम की पहली बड़ी चुनौती अपनी कैबिनेट का गठन होगी। खास तौर पर वित्त मंत्री की नियुक्ति पर सभी की नजर रहेगी, क्योंकि पहले भी प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री के बीच मतभेद कई सरकारों के लिए मुश्किल बने हैं।

ऊर्जा सुरक्षा मंत्री एड मिलिबैंड को पहले इस पद का मजबूत दावेदार माना जा रहा था, लेकिन अब गृह मंत्री शबाना महमूद का नाम सबसे आगे बताया जा रहा है। शबाना पाकिस्तानी मूल की नेता हैं। हालांकि बर्नहैम ने कहा है कि उन्होंने अभी अपनी टीम पर अंतिम फैसला नहीं लिया है।

ब्रिटेन के लिवरपूल में 28 सितंबर 2025 को लेबर पार्टी के वार्षिक सम्मेलन के पास आयोजित 'डिजिटल आईडी का विरोध' प्रदर्शन में शामिल लोग तख्तियां लेकर विरोध जताते हुए।

### पहला फैसला डिजिटल पहचान पत्र लागू करने का फैसला रद्द किया

बर्नहैम सरकार के शुरुआती फैसलों पर भी सबकी नजर रहेगी। सरकार ने पहले ही एक अहम कदम उठाते हुए सभी कर्मचारियों के लिए डिजिटल पहचान पत्र लागू करने की योजना रद्द कर दी है। इस की शुरुआत पूर्व प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर सरकार ने सितंबर 2025 में की थी। इसका मकसद यह था कि देश में काम करने वाले हर कर्मचारी की पहचान और उसके काम करने के कानूनी अधिकार की डिजिटल तरीके से पुष्टि की जा सके। सरकार का मानना था कि इससे फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल कम होगा और अवैध प्रवासन पर रोक लगाने में मदद मिलेगी।

## खाना पहुंचाते समय लिखी कई कविताएं, 14 साल में पढ़ाई छूट गई थी

# चीन में फूड डिलीवरी ब्वॉय को सबसे बड़ा साहित्यिक सम्मान

बीजिंग, एजेंसी

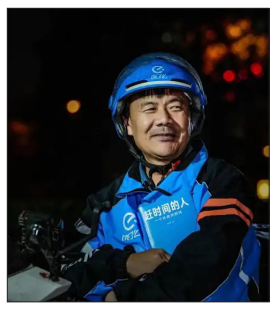

चीन में फूड डिलीवरी का काम करने वाले 56 वर्षीय वांग जिबिंग को देश के सबसे प्रतिष्ठित साहित्यिक सम्मानों में से एक लू शुन साहित्य पुरस्कार मिला है। उनकी कविता संग्रह 'लो फ्लाइट' को यह सम्मान दिया गया है। इस किताब की कई कविताएं उन्होंने फूड डिलीवरी के बीच मिले खाली समय में कागज के छोटे-छोटे टुकड़ों पर लिखी थीं। वांग 2019 के आसपास फूड डिलीवरी राइडर बने थे। उनकी कविताएं सोशल मीडिया पर काफी लोकप्रिय हुए। उनकी नई किताब 'लो फ्लाइट' डिलीवरी राइडर्स की रोजमर्रा की परेशानियों, संघर्ष और जीवन पर आधारित है। यह किताब उन्होंने 2024 में प्रकाशित की थी। इसके लिए उन्होंने करीब 200 डिलीवरी राइडर्स से बातचीत की और उनके अनुभवों को अपनी कविताओं में दर्ज किया। उनकी एक कविता की पंक्ति है, किसने कहा कि पंख फैलाने का मतलब सिर्फ ऊंची उड़ान भरना है? नीचे उड़ना भी उड़ान ही है।ह वांग का जन्म चीन के जियांगसू प्रांत में हुआ था। आर्थिक तंगी के कारण उन्हें 14 साल की उम्र में ही पढ़ाई छोड़नी पड़ी। इसके बाद उन्होंने निर्माण मजदूर, कबाड़ बीनने वाले और सड़क किनारे सामान बेचने जैसे कई छोटे-मोटे काम किए। बाद में वे फूड डिलीवरी राइडर बन गए। हालांकि, पढ़ने-लिखने का उनका शौक कभी खत्म नहीं हुआ। अब तक वह 6 हजार से अधिक कविताएं लिख चुके हैं। उनकी कई रचनाएं प्रतिष्ठित साहित्यिक पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुकी हैं। वांग कहते हैं, ₹लोग शायद मुझे याद न रखें, लेकिन उन्हें तेज रफ्तार से गुजरता एक फूड डिलीवरी राइडर जरूर याद रहता है।

### एक कविता से मिली पहचान

2022 में उनकी कविता 'मैन इन ए हरी' सोशल मीडिया पर वायरल हो गई थी। यह कविता 2019 की एक घटना से प्रेरित थी। उस समय वह जियांगसू के कुनशान शहर में फूड डिलीवरी का काम कर रहे थे। एक ग्राहक ने गलत पता दर्ज कर दिया था। सही घर ढूंढने के लिए वांग को तीन रिहायशी इमारतों में भटकना पड़ा और 18 मंजिल तक सीढ़ियां चढ़नी पड़ीं।

जब वह आखिरकार खाना लेकर पहुंचे तो ग्राहक ने देर होने पर उन्हें डांट दिया। घर लौटते समय उन्होंने अपनी नाराजगी और दर्द को शब्दों में ढाल दिया। इसी से उनकी कविता 'मैन इन ए हरी' जन्मी। यह कविता सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। यही से उनके साहित्यिक सफर की शुरुआत हुई। इसके बाद 2023 में उनका पहला कविता संग्रह 'मैन इन ए हरीः पोएम्स ऑफ ए फूड डिलीवरी राइडर' प्रकाशित हुआ।

> **इस किताब की एक कविता में वह लिखते हैं सड़क पर दौड़ता हर आम इंसान अपने हाथ में एक छोटी-सी रोशनी लिए चलता है। यही रोशनी पहले हमें रास्ता दिखाती है और फिर धीरे-धीरे पूरी दुनिया को रोशन कर देती है।**

## असीम मुनीर ने फिर अपनाया आतंक का पुराना हथकंडा

### पीओके में प्रदर्शन और तालिबान-बीएलए से हुए परेशान

इस्लामाबाद, एजेंसी

बलूचिस्तान में जारी विद्रोह और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में बगावत से लेकर खैबर पख्तूनख्वा में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के लगातार हमलों तक, इस्लामाबाद इस वक्त कई मोर्चों पर सुरक्षा खतरों से जूझ रहा है।

इस गहराते संकट से निपटने के लिए रक्षा प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर के नेतृत्व में पाकिस्तानी सुरक्षा तंत्र अपनी उसी पुरानी रणनीति पर लौटता दिख रहा है, जिसमें आतंकी प्रॉक्सी को पालना, उनका इस्तेमाल करना और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वैधता बनाए रखने के लिए दिखावटी आतंकवाद विरोधी कार्रवाई करना शामिल है।

हालिया रिपोर्ट्स से संकेत मिलता है कि इस्लामाबाद तालिबान और बलूच विद्रोहियों से निपटने के लिए इस्लामिक स्टेट खुरासान प्रांत को संरक्षण दे रहा है, जिसे ISIS-K या दाएश खुरासान भी कहा जाता है। इसका प्रमाण 30 जून को भी देखने को मिला था, जब अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच सीमा पार गतिविधियों की जानकारी सामने आई थी, जिनका केंद्र कथित तौर पर ISKP के ठिकाने थे।

तंजानिया स्थित द सिटिजन के अनुसार, हाल के वर्षों में ऐसी घटनाएं बार-बार हुई हैं क्योंकि पाकिस्तान ने इस क्षेत्र में अन्य आतंकी प्रॉक्सी के माध्यम से तालिबान का मुकाबला करने की योजना तैयार की है।

**चेतावनी :** खार्ग आइलैंड पर कब्जे की कोशिश की, तो कोई जिंदा बचकर नहीं जाएगा

# 'अमेरिकी सैनिकों का इंतजार कर रहे हैं'

तेल अवीव/तेहरान, एजेंसी

> **अल जजीरा के मुताबिक, अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा है कि ईरान के साथ कूटनीति और समझौते का रास्ता अब भी खुला है, हालांकि अमेरिका अपने सैन्य अभियान जारी रखेगा।**

ईरान ने अमेरिका को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर उसने खार्ग आइलैंड पर कब्जे की कोशिश की तो उसके सैनिक जिंदा वापस नहीं लौट पाएंगे।

ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की खार्ग आइलैंड पर कब्जे से जुड़े बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, ईरान में ऐसे लोग हैं जो अमेरिकी सैनिकों के आने का इंतजार कर रहे हैं। खार्ग आइलैंड और उसके आसपास सामना करने के लिए पूरी तैयारी है।

खार्ग आइलैंड फारस की खाड़ी में बुशहर प्रांत के तट से करीब 55 किलोमीटर दूर स्थित है। यह ईरान के तेल निर्यात का सबसे बड़ा केंद्र है और रणनीतिक रूप से देश की सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा परिसंपत्तियों में गिना जाता है। IRGC ने कहा कि उसने जॉर्डन, कुवैत, ओमान समेत कई देशों में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर बड़े हमले किए हैं। साथ ही चेतावनी दी कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

कुवैत के बिजली उत्पादन और वॉटर डिसेलिनेशन संयंत्र पर फिर हमला हुआ, जिससे कई बिजली उत्पादन इकाइयों में आग लग गई। मंत्रालय ने घटना की पुष्टि करते हुए राहत कार्य जारी होने की जानकारी दी। ईरान के एटॉमिक एनर्जी ऑर्गनाइजेशन (AEOI) ने आरोप लगाया कि अमेरिका ने खुजेस्तान प्रांत में बन रहे डारखोविन परमाणु ऊर्जा संयंत्र की साइट पर हमला किया है।

ईरान में बिजली संकट गहरायाः अमेरिकी हमलों और भीषण गर्मी के बीच ईरान में बिजली संकट बढ़ गया है। तेहरान समेत कई इलाकों में रोज बिजली कटौती हो रही है, जिससे आम जनजीवन और पढ़ाई प्रभावित हो रही है। इराक ने बसरा से तुर्किये और सीरिया तक नई तेल पाइपलाइन बिछाने की योजना पर काम शुरू किया है।

### ईरान की चेतावनी- अमेरिकी घुसपैठ का तुरंत जवाब देंगे

ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड (IRGC) ने कहा है कि उसकी जमीनी सेना किसी भी अमेरिकी घुसपैठ को तुरंत नाकाम करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

तस्नीम न्यूज एजेंसी के मुताबिक, IRGC ने कहा कि उसकी सेना आधुनिक हथियारों, लगातार प्रशिक्षण और बढ़ी हुई ऑपरेशनल क्षमता के साथ तैयार है।

## टाइटैनिक सर्वाइवर का लाइफजैकेट 114 साल बाद नीलाम

लंदन, एजेंसी

RMS टाइटैनिक के डूबने के 114 साल बाद जहाज से जुड़ी एक सबसे दुर्लभ और ऐतिहासिक चीज नीलामी में रिकॉर्ड कीमत पर बिकी है। यह 22 साल की फर्स्ट-क्लास यात्री लॉरा मेबेल फ्रैंकाटेली का कॉर्क से भरा लाइफजैकेट था, जिसे विल्टशायर के नीलामी घर हेनरी एल्ड्रिज एंड सन से 670,000 यानी करीब 6.7 करोड़ रुपये में बेचा। BBC के अनुसार, यह टाइटैनिक हादसे के बाद नीलामी में आने वाला किसी सर्वाइवर का एकमात्र प्रमाणित लाइफजैकेट है। नीलामीकर्ताओं ने इसे जीवन में एक बार मिलने वाला मौका बताया। क्रीम रंग की कैनवस वेस्ट में 12 कॉर्क वाले फ्लोटेशन पॉकेट, शोल्डर रेस्ट और साइड स्ट्रैप लगे हैं। इसकी सबसे खास बात यह है कि इस पर लॉरा फ्रैंकाटेली और लाइफबोट नंबर 1 में उनके साथ बचे 7 अन्य लोगों के हस्ताक्षर हैं। यही वजह है कि इसे 1912 की त्रासदी से जुड़ी सबसे महत्वपूर्ण निजी यादगारों में से एक माना जा रहा है। लॉरा फ्रैंकाटेली उस समय ब्रिटिश फैशन डिजाइनर लेडी लुसी डफ-गॉर्डन और उनके पति सर कॉस्मो डफ-गॉर्डन की पर्सनल सेक्रेटरी थीं और शिकागो जा रही थीं। 14 अप्रैल 1912 की रात जहाज आइसबर्ग से टकराने के बाद वह लाइफबोट नंबर 1 में सवार होकर बच गई थीं।

इस बोट में 40 लोगों की जगह थी लेकिन इसे सिर्फ 12 लोगों के साथ उतारा गया था। बाद में बोट ने बर्फीले पानी में फंसे लोगों को बचाने के लिए वापस लौटने से इनकार कर दिया था, जिसकी काफी आलोचना हुई थी।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676